अलीगढ़, मथुरा, लखनऊ, हाथरस (उ.प्र.) से प्रकाशित
दैनिक राजपथ
RAJPATH NEWS
E-papar के लिये लोगिन करें-
www.rajpathnews.in
आर. एन. आई. पंजीयन सं. 46096/86
डाक पंजीकरण सं.ए.एल.जी./83/2021-2023

दैनिक

ब्रह्मलीन संस्थापक श्री मुकट बिहारी लाल 'नवरत्न' की विचारधारा को समर्पित

राजपथ

"नन्नूमल"
देशी घी एवम् सरसों तेल
स्थापित 1862
मै0 मक्खनलाल नन्नूमल
(शुद्ध देशी घी का भारतवर्ष का प्राचीनतम प्रतिष्ठान)
महावीरगंज, अलीगढ़ दूरभाषः 2523866

वर्ष 39 अंक संख्या 251 | अलीगढ़ मंगलवार 14 जनवरी 2025 | प्रभात संस्करण | मूल्य–एक रूपये (पृष्ठ 8)

महंगाई के मोर्चे पर राहत भरी खबर!

दिसंबर में चार महीने के निचले स्तर पर पहुंची खुदरा मुद्रास्फीति

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में खुदरा महंगाई दर दिसंबर में चार महीने के निचले स्तर 5.22 फीसदी पर आ गई। यह दर नवंबर में 5.48 फीसदी थी। यह गिरावट खाद्य वस्तुओं की कीमतों में कमी के कारण आई है। सरकार ने सोमवार को इसको लेकर आंकड़े जारी किए। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के तहत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के आंकड़ों के मुताबिक, दिसंबर में खाद्य

महंगाई 8.39 फीसदी रही। जबकि नवंबर में यह 9.04 फीसदी और दिसंबर 2023 में 9.53 फीसदी थी। एनएसओ के मुताबिक, दिसंबर में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सामान्य) और खाद्य महंगाई दोनों पिछले चार महीनों के सबसे निचले स्तर पर थे।

तिरुपति मंदिर में फिर हादसा, प्रसाद वितरण केंद्र में आग लगने से मची भगदड़

तिरुमाला (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर में एक हफ्ते में दूसरी बार भगदड़ की स्थिति पैदा हुई है। दरअसल, आज लड्डू प्रसाद वितरण केंद्र में अचानक आग लग जाने से फिर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई, लेकिन भीड़ कम होने के कारण आज कोई भी बड़ी घटना होने से टल गई है। फिलहाल आग पर काबू पाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर में एक बार फिर से बड़ा हादसा हो गया है। जानकारी के मुताबिक, भक्तों को लड्डू प्रसाद वितरित करने वाले क्षेत्र में आग लगने की घटना हुई, जिससे मौके पर मौजूद भीड़ में अफरा-तफरी मच गई। मामले की जानकारी देते हुए तिरुपति देवस्थानम बोर्ड के जेईओ वेंकैया चौधरी ने बताया कि, आग काउंटर नंबर 47 पर कंप्यूटर से जुड़े यूपीएस सिस्टम में शॉर्ट सर्किट के कारण लगी है। वहीं आग लगने की सूचना पर अग्निशमन कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं।

यूपी में घना कोहरा, 67 ट्रेनें 10 घंटे तक लेट

शिमला में 2 दिन में पारा 11 डिग्री गिरा; बिहार-राजस्थान में स्कूलों की छुट्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के उत्तरी और मध्य भारत के राज्यों में पारा लगातार गिर रहा है। इसके साथ ही घने कोहरे का भी असर देखने को मिल रहा है। यूपी के 64 जिलों में घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी 50 मीटर तक गिर गई। इससे 67 ट्रेनें 10 घंटे देरी से पहुंचीं। महोबा में ठंड के कारण एक युवक की मौत हो गई।

दिल्ली में भी कई ट्रेन और कुछ फ्लाइट विजिबिलिटी घटने के कारण लेट हुईं। तमिलनाडु में चेन्नई एयरपोर्ट पर भी

फ्लाइट अपने निर्धारित समय पर नहीं उड़ सकीं।

हिमाचल में बर्फबारी के कारण कई शहरों में तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। शिमला का अधिकतम तापमान पिछले 48 घंटों में 11.4 डिग्री गिरकर 5.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। बिहार के पटना समेत 4 जिलों और राजस्थान के जयपुर समेत 19 जिलों में आठवीं क्लास तक की छुट्टी घोषित कर दी गई है।

संजय राउत बोले

इंडिया ब्लॉक में तालमेल की कमी

लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस ने मीटिंग ही नहीं की, वह सहयोगियों को कमजोर कर रही

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना उद्धव गुट के सांसद संजय राउत ने सोमवार को कहा कि विपक्षी इंडिया गठबंधन में तालमेल की कमी है। लोकसभा चुनाव के बाद गठबंधन में शामिल दलों की एक भी बैठक नहीं हुई है। गठबंधन में सबसे बड़े दल होने के नाते कांग्रेस को ये काम करना चाहिए।

राउत ने कांग्रेस पर विपक्षी गठबंधन में शामिल दलों को कमजोर करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा- कांग्रेस इंडिया ब्लॉक के दूसरे दलों के खिलाफ चुनाव लड़कर उन्हें कमजोर कर रही है।

सूर्यदेव को समर्पित पर्व मकर संक्रांति आज

बहुत ही पुण्यदायी, इस दिन स्नान-दान का है विशेष महत्व

नईदिल्ली (एजेंसी)। मकर संक्रांति पर सूर्य उत्तरायण हो जाते हैं और धरती पर प्रकाश का प्रभाव बढ़ जाता है। यह तमसो मा ज्योतिर्गमय की यात्रा है। जब उन्नति उत्तम विचारों सात्विकता कर्तव्यपालन त्याग सत्य दया क्षमा आदि की ओर हम प्रवृत्त होते हैं तब मानना चाहिए कि हम उत्तरायण की यात्रा पर चल पड़े हैं। प्रो. गिरिजाशंकर शास्त्री, ज्योतिष विभाग अध्यक्ष, काशी हिंदू विश्वविद्यालय के अनुसार ज्योतिष चक्र में कुल बारह राशियां हैं।

प्रत्येक राशि में एक महीने तक सूर्य का भ्रमण होता है। जिसे सौर राशि भी कहा जाता है। इस तरह सूर्य कुल 12 महीनों में संपूर्ण राशि चक्र की परिक्रमा पूर्ण करता है। सूर्य के एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश को संक्रांति कहा जाता है। जब सूर्य धनु राशि का भ्रमण पूर्ण कर

मकर राशि में प्रवेश को उद्यत होता है, उसी काल को मकर संक्रांति कहा जाता है। यह प्रकृति का परिवर्तन है, अतएव इसे प्राकृतिक पर्व कहना अधिक तर्कसंगत लगता है, किंतु सनातन धर्मावलंबी इसे धार्मिक या आध्यात्मिक पर्व मानते हैं। अन्य लोग इसे खिचड़ी के रूप में मानते हैं। मकर संक्रांति की महत्ता अनेक कारणों से सर्वातिशायी है। मकर राशि का स्वामी शनि है, जो सूर्य का पुत्र है। मकर में सूर्य का प्रवेश पिता-पुत्र के पुनर्मिलन का संकेतक है। सूर्य आत्मा का प्रतीक है, जबकि शनि दुःख कारक एवं दुःखहारक भी है। शनि कर्म का भी प्रतीक है। सूर्य एवं शनि दोनों जीवों के कर्मसाक्षी भी हैं। न्यायाधीश शनि, सूर्य के कर्माकर्म के विभाजन से ही जीवों के प्रति सुख-दुख का फल दाता बनता है।

महाकुंभ में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

● प्रथम स्नान पर 1.50 करोड़ लोगों ने लगाई डुबकी ● हर-हर महादेव, जय श्री राम... जयघोष करते हुए श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी ● भीड़ में करीब 4 हजार लोग बिछड़े, हेलिकॉप्टर से फूल बरसाए; एनएसजी कमांडो रख रहे थे नजर

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ का शुभारंभ हो चुका है। पौष पूर्णिमा पर सोमवार 13 जनवरी को पहला स्नान हुआ। सुबह से ही 44 घाटों पर डेढ़ करोड़ श्रद्धालु डुबकी लगा चुके थे। भक्तों पर हेलिकॉप्टर से 20 क्विंटल फूलों की वर्षा की गई। महाकुंभ 144 साल में दुर्लभ खगोलीय संयोग में हो रहा है।

देश के कोने-कोने से भक्त प्रयागराज आए हैं। भीड़ इतनी है कि 3700 लोग अपनों से बिछड़ गए। बाद में खोया-पाया केंद्र से अनाउंसमेंट कर ज्यादातर लोगों को उनके परिवार वालों से मिलवाया गया। हेलिकॉप्टर और एनएसजी कमांडो महाकुंभ में आए लोगों पर नजर रख रहे हैं। विदेशी श्रद्धालु भी बड़ी तादाद में कुंभ में स्नान करने पहुंचे। प्रशासन के मुताबिक, जर्मनी, ब्राजील, रूस समेत 20 देशों से भक्त पहुंचे हैं। हर घंटे संगम में 2 लाख श्रद्धालु स्नान कर रहे हैं। आज से ही श्रद्धालु 45 दिन का कल्पवास शुरू करेंगे।

संगम पर एंट्री के सभी रास्तों पर भक्तों की भीड़ है। वाहनों की एंट्री बंद थी। श्रद्धालु बस और रेलवे स्टेशन से 10-12 किलोमीटर पैदल चलकर संगम पहुंच रहे थे। 60 हजार जवान सुरक्षा और व्यवस्था संभालने में लगे हैं। पुलिसकर्मी स्पीकर से लाखों की संख्या में आई भीड़ को मैनेज कर रहे थे,जगह-जगह कमांडो और पैरामिलिट्री फोर्स के जवान भी तैनात हैं।महाकुंभ को लेकर गूगल ने भी खास फीचर शुरू किया।

डीजीपी बोले-

दोपहर तक 60 लाख श्रद्धालुओं ने स्नान किया- यूपी के डीजीपी प्रशांत कुमार ने कहा- महाकुंभ 2025 का शुभारंभ आज

सुबह के स्नान से हो गया है। करीब 60 लाख लोग इसमें डुबकी लगा चुके हैं। इस बार का कुंभ आस्था और आधुनिकता का संगम है। हम लोगों ने पारंपरिक पुलिस व्यवस्था से हटकर तकनीक का अधिक से अधिक इस्तेमाल कर श्रद्धालुओं को बेहतर व्यवस्था दी है। पुष्पवर्षा भी होगी। इस बार कुंभ भव्य, दिव्य, डिजिटल और सुरक्षित हो, इसके लिए सभी इंतजाम किए जा रहे हैं।

महाकुंभ में 20 देशों से पहुंचे श्रद्धालु, बोले- यह अद्भुत

स्टीव जॉब्स की पत्नी आत्मशुद्धि के लिए आईं, ब्राजील के फ्रांसिस्को बोले- मोक्ष की तलाश- 144 साल बाद प्रयागराज महाकुंभ में दुर्लभ संयोग बना ।संगम के पहले स्नान पर ब्राजील, अफ्रीका, अमेरिका, फ्रांस, रूस समेत 20 देशों से विदेशी भक्त पहुंचे। पूरे महाकुंभ के दौरान लाखों विदेशी आएंगे।

एपल के सह-संस्थापक स्टीव जॉब्स की पत्नी लॉरेन पॉवेल कल्पवास करेंगी- एपल के सह-संस्थापक स्टीव जॉब्स की पत्नी लॉरेन पॉवेल भी अमेरिका से कुंभ पहुंच चुकी हैं। वह 29 जनवरी तक कल्पवास करेंगी। कल्पवास के दौरान वह 16 दिन तक ध्यान, तपस्या और आत्मशुद्धि करेंगे। लॉरेन निरंजनी अखाड़ा में स्वामी कैलाशानंद गिरी की मौजूदगी में व्यासनंद गिरी महाराज के पट्टाभिषेक (राजतिलक) में शामिल हुईं। उन्होंने व्यासनंद गिरी महाराज को पट्टाभिषेक किया।

भारत ने बांग्लादेश के डिप्टी हाई कमिश्नर को तलब किया

बांग्लादेश ने बॉर्डर पर फेंसिंग को अवैध बताया था, कल भारतीय हाई कमिश्नर को तलब भी किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर फेंसिंग के विवाद को लेकर भारत ने सोमवार को बांग्लादेश के डिप्टी हाईकमिश्नर नुरूल इस्लाम को तलब किया है। इससे पहले रविवार को बांग्लादेश ने भारतीय हाई कमिश्नर को समन किया था। बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय ने भारतीय हाई कमिश्नर प्रणय वर्मा को बुलाकर बॉर्डर पर बीएसएफ की तरफ से

की जा रही फेंसिंग (बाड़) को अवैध कोशिश बताया था।

बांग्लादेश ने आरोप लगाया कि भारत बॉर्डर को लेकर द्विपक्षीय समझौते का उल्लंघन करते हुए बॉर्डर पर पांच स्थानों पर फेंस लगाने की कोशिश कर रहा है। बांग्लादेश की सरकारी न्यूज एजेंसी बीएसएस ने बताया कि भारतीय हाई कमिश्नर ने बांग्लादेश के विदेश सचिव जशीमउद्दीन के साथ करीब 45 मिनट इस मुद्दे पर बात की।

हालांकि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने इस मामले में कोई बयान जारी नहीं किया है।

बदलापुर स्कूल यौन उत्पीड़न केस में हाईकोर्ट सख्त

कहा- बच्चियां बहुत छोटी, जल्द पूरी हो सुनवाई

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को बदलापुर स्कूल यौन उत्पीड़न मामले में एक बार फिर सख्ती दिखाई। अदालत ने कहा कि पीड़ित बच्चियां बहुत छोटी हैं इसलिए मामले की सुनवाई जल्द से जल्द पूरी होनी चाहिए।

पिछले साल अगस्त का मामला- गौरतलब है, पिछले साल अगस्त में ठाणे के बदलापुर इलाके में स्थित एक स्कूल के शौचालय में चार और पांच साल की दो लड़कियों का एक पुरुष अटेंडेंट ने यौन उत्पीड़न किया था। मामला सामने आते ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया था। हालांकि, अदालत ले जाते समय पुलिस के साथ मुठभेड़ हुई और वह मारा गया। वहीं, मामले की जांच के लिए महाराष्ट्र सरकार द्वारा गठित विशेष जांच (एसआईटी) आरोप पत्र दायर कर चुकी है।

इन लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर- यौन अपराधों से बच्चों की सुरक्षा (पॉक्सो) अधिनियम के प्रावधानों के तहत यौन उत्पीड़न की रिपोर्ट करने में नाकाम रहने के लिए स्कूल के प्रधानाध्यापक और उसके प्रबंधन के दो सदस्यों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया गया है। हाईकोर्ट ने घटना का खुद संज्ञान तब लिया था, जब यह बात सामने आई कि बदलापुर की स्थानीय पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज करने के लिए तत्काल कार्रवाई नहीं की।

मामले की सुनवाई तेजी से पूरी करने की जरूरत- सोमवार को लोक अभियोजक हितेन वेनेगांवकर ने न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और नीला गोखले की पीठ को सूचित किया कि मामले की जांच पूरी हो गई है। आरोप पत्र दायर किया गया है और अब मामले की सुनवाई होगी।

पीएम मोदी ने जम्मू-कश्मीर के सोनमर्ग क्षेत्र में स्थित जेड मोड़ टनल का उद्घाटन किया

अब दूरी मिट चुकी... हम सबको मिलकर ये काम करना है : पीएम मोदी

● हम जब काम शुरू करते हैं, तो उसे पूरा भी करते हैं

श्रीनगर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को जम्मू-कश्मीर के सोनमर्ग क्षेत्र में स्थित जेड मोड़ टनल का उद्घाटन किया। उन्होंने टनल के निर्माण में योगदान देने वाले श्रमिकों की सराहना कर उनके समर्पण को सलाम किया। कहा कि यह टनल उन श्रमिकों के संकल्प की वजह से संभव हो पाई, जिन्होंने कठिन से कठिन परिस्थितियों में काम किया और कभी अपनी जान की परवाह नहीं की। प्रधानमंत्री मोदी ने टनल के निर्माण में जान गंवाने वाले श्रमिक को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि दुखद घटना के बावजूद कोई श्रमिक घर वापस नहीं गया। उनका समर्पण, देश और राज्य के प्रति प्यार हमें प्रेरणा देता है।

कश्मीर की सुंदरता और समृद्धि पर जोर- प्रधानमंत्री ने कश्मीर को देश का मुकुट और भारत का ताज बताते हुए कहा कि हम चाहते हैं कि कश्मीर और भी सुंदर और समृद्ध हो। यहां के लोग अपने सपनों को हकीकत में बदलने के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने सोनमर्ग की प्राकृतिक सुंदरता का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां की सफेद चादर से ढकी पहाड़ियां दिल को प्रसन्न कर देती हैं।

सोनमर्ग टनल की महत्ता- प्रधानमंत्री मोदी ने इस टनल को केवल जम्मू-कश्मीर के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए एक महत्वपूर्ण परियोजना बताया। उन्होंने कहा कि इस टनल के खुलने से अब जम्मू-कश्मीर में यात्रा और व्यापार को नई गति मिलेगी, जिससे क्षेत्र में विकास के नए रास्ते खुलेंगे।

पुरानी यादें और संघर्ष की बात : प्रधानमंत्री ने अपने पुराने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि उनका इस क्षेत्र से गहरा नाता रहा है।

रेल डिवीजन और कनेक्टिविटी परियोजनाओं की शुरुआत

प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू में हाल ही में हुए रेल डिवीजन के शिलान्यास का भी जिक्र किया और इसे जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए एक बड़ी सौगात बताया। उन्होंने बताया कि सोनमर्ग टनल से क्षेत्र में टूरिज्म को नया पंख मिलेगा, और आने वाले समय में कई रोड और रेल कनेक्टिविटी परियोजनाएं जम्मू-कश्मीर में पूरी होने वाली हैं।

लद्दाख और जम्मू-कश्मीर की विकास यात्रा- प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की पुरानी मांगों को पूरा करने में सरकार के प्रयासों को सराहा। उन्होंने कहा कि हम जब काम शुरू करते हैं, तो उसे पूरा भी करते हैं। हर काम का एक सही समय होता है और हम हमेशा उस समय में सही काम करते हैं।

जीवन में लक्ष्य का महत्व, बिना लक्ष्य के जीवन पशु समान : अमरपाल सिंह

550 मेधावी छात्र–छात्राओं ने कार्यक्रम में लिया भाग

एटा। गत दिवस राजकीय जिला कृषि एवं विकास प्रदर्शनी के भव्य पंडाल में मेधावी छात्र–छात्राओं का सम्मान समारोह का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मनुष्य के जीवन में लक्ष्य बहुत जरूरी है, लक्ष्य के बिना जीवन अधूरा है। इस प्रेरक संदेश के साथ मुख्य अतिथि अमरपाल सिंह आईआरएस, ज्वाइंट कमिश्नर इन्कम टैक्स भारत सरकार ने कार्यक्रम में अपना वक्तव्य दिया। इस प्रेरणादायक आयोजन में प्रदेश अध्यक्ष नरेश बाबू लोधी सहित मंचासीन अतिथियों में पुष्पेन्द्र सिंह अधीक्षण अभियंता जवाहर तापीय परियोजना, एटा, गजेन्द्र प्रताप सिंह सहायक फुड इस्पेक्टर, तूफान सिंह पूर्व प्रधानाचार्य व सुनील मिश्रा प्रदेश अध्यक्ष, संयुक्त प्रेस क्लब ने अपनी उपस्थित दर्ज कराई।

कार्यक्रम का शुभारम्भ बच्चों द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना और स्वागत गीत से हुआ। मंच पर उपस्थित समस्त अतिथियों और पत्रकारो का फूलमाला पहनाकर, बैज लगा कर शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में 550 मेधावी छात्र–छात्राओं और उनके अभिभावकों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि अमरपाल सिंह आईआरएस, ज्वाइंट कमिश्नर इन्कम टैक्स ने सभी आग्रह किया कि वे प्रारम्भ से अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित करें। अभिभावक अपने बच्चों के मार्गदर्शन में सक्रिय भूमिका निर्वाह करें। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि जो छात्र–छात्राएं आईएएस, पीसीएस, नीट की तैयारी करना चाहते हैं हमारा लक्ष्य उनो निःशुल्क कोचिंग प्रदान कर रहा है उनाको फ्री में नोट्स दे रहा है। सर्व समाज के किसी भी छात्र–छात्राओं को पढ़ने के लिए पैसे नहीं है और वह पढ़ना चाहता है वह समस्त उत्तर प्रदेश में लक्ष्य के जिलाध्यक्षों अथवा टीम के किसी भी पदाधिकारी से सम्पर्क कर निःशुल्क शिक्षा प्राप्त कर सकता है।

लक्ष्य की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वर्षा लोधी एवं श्रीमति कुसुम पथरिया ने कहा कि छात्र–छात्राओं को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रसर रहना चाहिए उन्हें मोबाइल से रील बनाने से दूरी बनानी चाहिए। लक्ष्य के प्रदेश अध्यक्ष नरेश बाबू लोधी ने बताया कि लगभग 200 गरीब छात्र–छात्राओं को जवाहर नवोदय विद्यालय, अटल आवासीय योजना, लोकसेवा आयोग मे भी लक्ष्य के छात्रों ने अपनी जगह बनाई है। कार्यक्रम का संयुक्त रूप से संचालन चन्द्रशेखर शास्त्री व अजय वर्मा ने किया। कार्यक्रम में सम्मानित मेधावी छात्र–छात्राओं जिनके 90 प्रतिशत से अधिक अंक रहे उनमें प्रिंस राजपूत, डॉली, लक्ष्य राजपूत, आशीष कुमार, शालिनी राजपूत, प्रियांशी यादव, उज्जवल, शीला सिंह, अमित प्रताप सिंह, प्रियंका, मुस्कान राजपूत, श्रृष्टि, शंशाक सिंह, अभिनव, अभय प्रताप सिंह को प्रतीक चिन्ह, मेडल और प्रशस्ति पत्र दिये गये। लक्ष्य के द्वारा 80 से 90 प्रतिशत अंक वाले 350 बच्चों को प्रशस्ति पत्र व प्रतीक चिन्ह दिये गयें।

कार्यक्रम में एटा, कासगंज, मथुरा, फिरोजाबाद और अलीगढ़ सहित कई जनपदों की लक्ष्य संस्था की टीम ने भाग लिया। कार्यक्रम में बडी मात्रा में बच्चो के अभिभावक एवं अध्यापक उपस्थित देखी गई भारी भीड के कारण पंडाल में प्रदर्शनी प्रशासन कि ओर की गई कुर्सियों की कमी पड़ती नजर आई। इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित श्रीमती लता राजपूत, श्रीमती दुर्गेश कुमारी , मंजू वर्मा, नीरज कुमारी, मुन्नी देवी, नीरज वर्मा, सपना राजपूत, श्रीमती सत्यभामा, सरिता, सुमन वर्मा, डा0 मोनू वर्मा, हरिओम जी, गिरीश, मनोज, शिवओम, टी0पी0सिंह, डॉ शशि प्रभा राजपूत, श्रीमती सीमा राजपूत एवं लक्ष्य के जिलाध्यक्ष उमेश राजपूत, रजनीश राजपूत, वीके वर्मा, शिवम राजपूत, अखिलेश प्रताप सिंह, श्री देवदत्त आचार्य, मदन राजपूत, रविन्द्र वर्मा मेडिकल वाले, विनोद वर्मा, पुष्पेन्द्र राजपूत, लक्ष्य के अधिकाश पदाधिकारियों ने कार्यक्रम अपनी सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम के अंत में संयोजक प्रदीप वर्मा पत्रकार व सह संयोजक प्रमोद लोधी पत्रकार ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी अतिथिगणों, मीडिया बंधुओं और प्रतियोगी छात्र–छात्राओं सहित उनके अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

श्री गुरू गोविन्द सिंह जी महाराज के प्रकाशोत्सव पर शहर में रहेगा रूट डायवर्जन

हाथरस। श्री गुरू गोविन्द सिंह जी महाराज के प्रकाशोत्सव के उपलक्ष्य में 26 वां विशाल नगर कीर्तन दिनांक 14.01.2025 को मनाया जायेगा। जिससे मार्गो पर वाहनों का अधिक आवागमन बना रहेगा । इस कार्यक्रम को दृष्टिगत रखते हुये दिनाकं 14.01.2025 को प्रातः 10.00 बजे से समाप्ति तक जनपद हाथरस की यातायात व्यवस्था/रूट डायवर्जन निम्न प्रकार रहेगा । जिससे यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से बनी रहे तथा कोई अप्रिय घटना घटित न हो । जलेसर/चामड गेट चौराहा से आने वाले बडे/मध्यम वाहन चामड गेट की तरफ से आने वाले बडे/मध्यम वाहन डीआरबी तिराहा से नगला भुस तिराहा थाना चन्दपा से वाई पास होते हुये आगरा मथुरा, अलीगढ,कासगंज की ओर जायेगे आगरा की ओर से आने वाले मध्यम/बडे वाहन नगला भुस तिराहा थाना चन्दपा से वाई पास होते हुये बाया हतीसा पुल, जनपद मथुरा, अलीगढ,कासगंज की ओर जायेगे अलीगढ की तरफ से आने वाले मध्यम/बडे वाहन रूहेरी तिराहा कोतवाली हाथरस गेट से वाई पास होते हुये बाया हतीसा पुल, जनपद मथुरा,आगरा की ओर जायेगे ।

सिकन्द्राराऊ की ओर से आने वाले मध्यम/बडे वाहन कैलौरा चौराहा कोतवाली हाथरस जंक्शन से सासनी वाईपास होते हुये बाया सासनी चौराहा कोतवाली सासनी, वाईपास होते हुये बाया हतीसा पुल,जनपद अलीगढ, मथुरा,आगरा की ओर जायेगे मथुरा की ओर से आने वाले मध्यम/बडे वाहन हतीसा पुल के ऊपर(बाईपास) से होते हुये जनपद आगरा, अलीगढ, सिकन्द्रराराऊ की ओर जायेगे इसके अतिरिक्त प्रभारी यातायात को निर्देशित किया गया है कि आमजन के आवागमन में असुविधा न हो तथा एंबुलेंस व अन्य आमजन की सेवाओं संबंधित वाहनों को सुरक्षित गंतव्य तक पहुंचाने की व्यवस्था की जाए।

गर्म पानी से भाई बहन झुलसे

फिरोजाबाद 13 जनवरी। थाना रामगढ़ क्षेत्र के मोहल्ला कोहिनूर रोड मैं सोमवार की प्रातः गर्म पानी से भाई बहन झुलस गए जिन्हें उपचार के लिए सरकारी ट्रामा सेंटर लाया गया है। कोहिनूर रोड निवासी अरमान अहमद के घर सोमवार की प्रातः भगोने में गर्म पानी हो रहा था तभी अचानक भगोना गिर गया तभी वहां बैठे 8 वर्षीय अहमद और 7 वर्षीय आफसा झुलस गई चीख पुकार होने पर परिजन मौके पर पहुंचे और उन्हें उपचार के लिए सरकारी ट्रामा सेंटर लेकर आए जहां दोनों का उपचार जारी है

देवी अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी वर्ष पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा घुमंतू गृहिणी गोष्ठी का आयोजन किया

हाथरस। देवी अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी वर्ष के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा घुमंतू गृहिणी गोष्टी का आयोजन किया गया वहीं मकर संक्रांति पर्व घुमन्तू परिवारों के बीच मनाया गया। हरिगढ़ रोड स्थित मंदिर श्री हनुमानजी महाराज नवग्रह पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग कार्यकारिणी सदस्य इन्द्रहास चौहान एवँ पालिकाध्यक्ष स्वेता चौधरी , मंदिर के पुजारी दिनेश गुरू द्वारा देवी अहिल्याबाई होल्कर के चित्र के सम्मुख दीपप्रज्वलित कर एव पुष्प अर्पित कर किया गया।

मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग कार्यकारिणी सदस्य इन्द्रहास चौहान ने देवी अहिल्याबाई होल्कर के जीवन पर प्रकाश डालते हुये कहा कि देवी अहिल्याबाई होल्कर के ‘लोक–कल्याण व ‘लोकहित का दृष्टिकोण ही उन्हें ‘लोकमाता के नाम से सम्मानित करता है। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर में नेतृत्व क्षमता, दूरदर्शिता, निर्णय क्षमता, एकीकरण, सामाजिक उत्तरदायित्व की अदभुत क्षमता थी। लोकमाता अहिल्याबाई का जीवन आगे बढ़ने को प्रेरित करता है। उन्होंने महिलाओ से कहा कि स्वस्थ्य और शिक्षा के माध्यम से आप अपने परिवार का उत्थान कर सकती है। सभी अपनी बेटियों को पढ़ाएं और निरंतर उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देकर उनका मार्ग प्रशस्त करें। उन्होंने उपस्थित महिलाओं को मकर सक्रांति की बधाई देते हुये कहा कि यह पर्व सामाजिक समरसता का पर्व है। इसलिये हमे मिलकर, एकजुट रहकर साथ चलना है। कार्यक्रम की अध्यक्ष पालिकाध्यक्षा स्वेता चौधरी ने कहा कि घूमंतू जातियां हमारे परिवार का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा भीघुमन्तू जातियों के लोगों के उत्थान के लिये निरन्तर कार्य किये जा रहे है। सरकार द्वारा कई योजनायें लागू की गई है। उन्होंने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर एक जीवंत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि देश की बेटियों को उनकी योग्यता के आधार पर अगर अवसर दिए जाएं तो इस देश की बेटियां लक्ष्मीबाई और अहिल्याबाई होल्कर के पद चिन्हों पर चलकर देश के गौरव का मान बढ़ाने वाली बनेंगी। हमें अपनी संकुचित सोच से बाहर निकलकर बेटियों को संरक्षण देकर आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी बनाने का संकल्प लेना चाहिए ताकि वे डर, धोखे व शोषण का प्रतिकार कर मजबूती से आगे बढ़े । आज महिलाएं राजनेतिक, समाजिक , शैक्षिक , आदि सभी क्षेत्रों में आगे बढ़कर नेतृत्व कर रही है।इस अवसर पर पालिकाध्यक्ष ने घुमन्तू परिवार की महिलाओं को सर्दी से बचाव हेतु कम्बल भेंट किये एव बच्चों को उपहार भेंट कर मकर संक्रांति की बधाइयाँ दी। कार्यक्रम समापन पर खिचड़ी सहभोज का भी आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का संचालन जिला प्रचार प्रमुख आशीष सेंगर ने किया। इस अवसर पर नगर प्रचारक शिवम ,जिला सह घुमन्तू प्रमुख श्री भगवान वर्मा, विभाग योग प्रमुख हजारीलाल ,नगर कार्यवाह भानु, नगर सह संपर्क प्रमुख वीरेंद्र माहौर, अनूप अग्रवाल अंकित ,हरीश आदि मौजूद रहे।

एटा समाचार

राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया गया स्वामी विवेकानंद का जन्म दिवस!

एटा। नेहरू युवा केंद्र एटा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशन में नेहरू युवा मंडल गदुआ विकासखंड निधौली कला द्वारा मण्डल कार्यालय चौ0श्री एस0एस0यादव मंदिर पर राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंडल सचिव रबी यादव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का जन्म 12जनवरी 1863 को कोलकाता में हुआ था। स्वामी विवेकानंद युवाओं के प्रेरणा स्रोत हैं युवाओं को उन्हें अपना आदर्श मानकर उनके बताए मार्ग पर चलना चाहिए। युवाओं को स्वामी जी द्वारा कही गई बात हमेशा याद रखनी चाहिए उठो जागो और लक्ष्य को प्राप्त करो उपस्थित युवाओं को भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का भारत मंडपम दिल्ली से राष्ट्रीय युवा उत्सव में दिया गया भाषण सुनाया गया। राष्ट्रीय युवा दिवस सप्ताह 12 जनवरी से 19 जनवरी तक विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम के रूप में मनाया जाएगा। इस अवसर पर सर्वश्री बीके सिंह, अंशू यादव, दीपक कुमार, रमन कुमार, कौशिक यादव,कु०अनवी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सिकन्दराराऊ में गरीबों को कम्बल वितरित करते पुलिस अधीक्षक चिरंजीवी नाथ सिन्हा व व्यापारी नेतागण

प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल ने किये गरीबों को कंबल वितरित

सिकन्दराराऊ (दैनिक राजपथ)। सोमवार को प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल द्वारा कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन नौरंगाबाद स्थित कृष्णा मंगल मुरली धाम में किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में पुलिस अधीक्षक चिरंजीवी नाथ सिन्हा व तरुण राणा उपस्थित रहे ।

मुख्य अतिथियों के कर कमलों के द्वारा व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने सर्व प्रथम गरीब एवं असहाय लोगों को कंबल वितरण कराये।

व्यापारी नेता वैभव वार्ष्णेय ने बताया, जिस प्रकार आज कुंभ का आयोजन हुआ है और कल मकर संक्रांति है जिसके पर्व पर दान पुण्य का कार्य किया जाता है जिसको लेकर हम सभी व्यापारियों ने मिलकर कंबल वितरण का आयोजन किया है जिसमें उप जिलाधिकारी धर्मेंद्र सिंह एवं क्षेत्राधिकारी श्यामवीर सिंह के अलावा नगर के अन्य व्यापारी व समाजसेवी व प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकारणी सदस्य मौजूद रहे।

फिरोजाबाद समाचार

विषाक्त खाने से विवाहित और किशोरी अचेत

फिरोजाबाद 13 जनवरी। जनपद के अलग–अलग थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक विवाहिता और एक किशोरी ने कोई विषाक्त लिया संबंधित परिजन उन्हें उपचार के लिए सरकारी ट्रामा सेंटर लेकर आए हैं

थाना नारखी क्षेत्र के गांव सिकंदरपुर निवासी 30 वर्षीय रेनू पत्नी शशि कुमार ने गृह कलह के चलते कोई विषाक्त खा लिया जिससे वह बेहोश हो गई परिजन बेहोशी की हालत में उसे उपचार के लिए सरकारी ट्रामा सेंटर लेकर आये है वहीं थाना टूंडला के राजा का ताल निवासी 15 वर्षीय दिव्या पुत्री सुभाष चंद्र ने भी कोई विषाक्त खा लिया परिजन आनंन फानन में उसे उपचार के लिए सरकारी ट्रामा सेंटर लेकर आए जहां दोनों का उपचार जारी है

॥सर्वसिद्धिप्रदः कुम्भः॥ महाकुम्भ प्रयागराज 2025

INDIAN RAILWAYS भारतीय रेल

महाकुम्भ मेला 2025

सार्वजनिक सूचना

रेल यात्रियों/श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सहायता हेतु महत्वपूर्ण जानकारी

अपने गन्तव्य स्थान की ओर जाने वाली स्पेशल ट्रेन पकड़ने के लिए सम्बन्धित स्टेशन पर ही पहुँचें।

दिशा	स्टेशन
विन्ध्याचल, मिर्ज़ापुर, चुनार, चोपन, पं. दीनदयाल उपाध्याय जं. (मुगलसराय), बक्सर, पटना, गया, राँची, जसीडीह, आसनसोल, हावड़ा, पुरी की ओर	प्रयागराज जं., नैनी, प्रयागराज छिवकी
शंकरगढ़, डभौरा, मानिकपुर, चित्रकूट, महोबा, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, ग्वालियर, बीना, सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, इटारसी, भोपाल,रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, नागपुर, कल्याण, मुम्बई की ओर	प्रयागराज जं., नैनी, प्रयागराज छिवकी
सिराथू, फतेहपुर, कानपुर, पनकी धाम, इटावा, टूण्डला, आगरा, अलीगढ़, मेरठ, दिल्ली, चंड़ीगढ़, जम्मू की ओर	प्रयागराज जं., सूबेदारगंज
ऊँचाहार, रायबरेली, लखनऊ, हरदोई, बरेली, सहारनपुर, हरिद्वार, ऋषिकेश, जंघई, भदोही, जौनपुर, प्रतापगढ़, अयोध्या, गोंडा, बहराइच की ओर	प्रयाग, फाफामऊ जं.
ज्ञानपुर रोड, वाराणसी, मऊ, भटनी, गोरखपुर, बलिया, छपरा की ओर	प्रयागराज रामबाग, झूँसी

यात्रियों से सहयोग की अपेक्षाः–

☛ स्टेशनों पर दिशा के अनुसार कलर कोडेड (लाल, नीला, पीला एवं हरा) यात्री आश्रयों का निर्माण किया गया है। कृपया सही यात्री आश्रय शेड के माध्यम से ही स्टेशन में प्रवेश करें।

☛ मुख्य स्नान पर्व से एक दिन पूर्व और दो दिन बाद तक प्रयागराज जं., सूबेदारगंज, नैनी एवं प्रयागराज छिवकी स्टेशनों पर प्रवेश एवं निकास सम्बन्धी प्रतिबन्ध का पालन करें।

कुम्भ रेल सेवा ऐप 2025 — QR कोड स्कैन कर डाउनलोड करें

यात्री सुविधा के लिए बहुभाषी अनाउंसमेंट सेवा — प्रयागराज के रेलवे स्टेशनों पर पहली बार 12 भाषाओं में उद्घोषणा की व्यवस्था

महाकुम्भ के दौरान पाएं रेल संबंधित हर जानकारी और सभी समस्याओं का समाधान रेलवे के टोल फ्री नंबर 1800 4199 139 पर तुरंत संपर्क करें

उत्तर मध्य रेलवे — गतिशीलता ही हमारी पहचान

@CPRONCR | North central railways | cproncrly | CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in | 77/25(DG)

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के बारे में अधिक से अधिक लोगों को जागरुक किया जाये–डीएम

हाथरस 13 जनवरी। पी0एम0 सूर्य घर–मुफ्त बिजली योजना के अन्तर्गत निजी घरेलू आवासों पर रूफटॉप सोलर पावर प्लान्ट की स्थापना के प्रगति की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में करते हुए जिलाधिकारी राहुल पांडेय ने संबंधित अधिकारियों को वेंडरों से समन्वय स्थापित करते हुए निर्धारित लक्ष्य को ससमय पूर्ण करने तथा योजना का व्यापक प्रचार प्रसार कराने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि यह शासन की बहुत ही महत्वाकांक्षी योजना है। इस योजना के तहत बिजली बिल में अधिक से अधिक बचत हो सकेगी और लोगों को लाभ मिल सकेगा। यह योजना उपभोक्ताओं के हित के लिए लाभकारी सिद्ध होगी, इसके लाभ के बारे में जनसामान्य जानकारी दिये जाने तथा सरकारी व गैर सरकारी भवनों में रूफटॉप सोलर पावर प्लांट लगाया जाए। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में जनपद को जो लक्ष्य दिया गया है उस लक्ष्य को अधिक से अधिक शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को जागरुक कर पूर्ण किया जाए। उन्होंने इस योजना में बैंकों द्वारा भी सहयोग किया जाय। उन्होंने पी0एम0 सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना हेतु नामित वेंडरों को प्राप्त आवेदनों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को वेंडरों द्वारा कृत कार्यवाही के संबंध में नियमित रूप से रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने वेंडरों को इस योजना के अंतर्गत जिन उपभोक्ताओं द्वारा आवेदन किया गया है तथा बैंक से लोन हेतु आवेदन किया गया है कि सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, जिससे कि बैंकर्स से समन्वय स्थापित करते हुए बैंक स्तर पर लंबित आवेदनों को अग्रसारित किया जा सके।

इस मौके पर अधिशासी अभियंता विद्युत हाथरस ने पीएम सूर्य घर योजना के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार द्वारा पी०एम० सूर्य घर योजना संचालित की जा रही है, जिसमें जनपद हाथरस में 15000 निजी घरेलू आवासों पर वित्तीय वर्ष 2024–25 में उक्त योजना के अन्तर्गत ऑन ग्रिड सोलर पावर प्लांट की स्थापना कराये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिसमें अनुमानित लागत प्रति कि०वा० 65,000 की दर से भुगतान लाभार्थी संस्था द्वारा संबंधित वैण्डर को किया जायेगा तथा 01 कि०वा० भारत सरकार द्वारा रु0 30,000 तथा उ०प्र० सरकार द्वारा रु0 15,000, 02 कि०वा० संयंत्र पर भारत सरकार द्वारा 60,000 तथा उ०प्र० सरकार द्वारा 30,000 एवं 03 कि०वा० या उससे अधिक क्षमता के संयंत्र की स्थापना उपरान्त भारत सरकार द्वारा 78,000 तथा उ०प्र० सरकार द्वारा 30,000 की अधिकतम सब्सिडी सीधे लाभार्थी के खाते में भेजी जानी है, तथा जो लोग लोन लेकर संयंत्र की स्थापना कराना चाहते हैं, उनके लिये बैंकों द्वारा 07 प्रतिशत की वार्षिक ब्याज दर पर ऋण की सुविधा भी उपलब्ध है। योजना के लाभ के संबंध में बताया कि 01 कि०वा० के संयंत्र पर लाभार्थी को एक दिन में लगभग 04 से 05 यूनिट बनेंगे, जो कि एक माह में लगभग 120 यूनिट होंगी। संयंत्र से बनने वाली बिजली सीधे ग्रिड को जायेगी। जिससे लाभार्थी को 01 कि०वा० के संयंत्र पर एक माह में लगभग 840 रु० का विद्युत बिल में कमी आयेगी। इसी प्रकार प्रति कि०वा० 120 यूनिट से प्रति माह विद्युत बिल में कमी आयेगी। सोलर पावर प्लांट के द्वारा 25 वर्षों तक विद्युत का उत्पादन किया जायेगा। इससे विद्युत कम्पनीयों पर सब्सिडी के भार में कमी आयेगी तथा कार्बन उत्सर्जित गैसों के प्रभाव में भी कमी आयेगी। उन्होंने बताया कि पीएम सूर्यघर एप्लीकेशन अपने स्मार्ट फोन में डाउनलोड करके बेवसाइट पर एप्लीकेशन पर दी गयी आवेदन प्रक्रियानुसार किया जा सकता है, योजना में कोई भी घरेलू विद्युत कनेक्शन का उपभोक्ता अपने घर पर ऑनग्रिड सोलर पावर प्लांट लगवा सकता है, उपभोक्ता के घर के छत पर 01 कि.वा. सोलर पावर प्लांट लगवाने के लिए 10 वर्गमीटर लगभग 100 वर्गफीट छायारहित छत की आवश्यकता होगी, विद्युत उपभोक्ता अपने विद्युत कनेक्शन की क्षमता के बराबर या उससे कम ऑनग्रिड सोलर पावर प्लांट लगवा सकते हैं, केन्द्रीय व राज्य अनुदान जिस नाम से विद्युत कनेक्शन है उसी के बैंक खाते में सोलर पावर प्लांट लगने के उपरांत आयेगा।

बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी, जिला विकास अधिकारी, उप निदेशक कृषि, यूपी नेडा, अधीक्षण अभियंता विद्युत, अधिशासी अभियंता विद्युत, वेंडर आदि उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश की टीम रही विजेता

फिरोजाबाद 13 जनवरी। जिला सॉफ्टवौल क्रिकेट एसोसिएशन फिरोजाबाद के द्वारा स्वर्गीय सतीश प्रकास मित्तल कैलाश अग्रवाल सुख रानी भटनागर मालती गुप्ता की स्मृति ऑल इंडिया सॉफ्टबॉल क्रिकेट टूर्नामेंट एसआरके पीजी कॉलेज पर खेला जा रहा था आज उसका फाइनल मैच विमेंस उत्तर प्रदेश और बिहार की टीम के मध्य खेला गया जिसमें उत्तर प्रदेश की टीम ने यह में जीत कर चैंपियन बनी विजेता ट्रॉफी श्री सतीश प्रकाश मित्तल की स्मृति में उनके पुत्र संजय मित्तल द्वारा प्रदत्त उत्तर प्रदेश की कप्तान कीर्ति शर्मा को प्रदान की गई और उपविजेता ट्रॉफी स्वर्गीय मालती देवी गुप्ता इंपीरियल ग्रुप की स्मृति में उनके पुत्र संजीव गुप्ता राजीव गुप्ता दीपक गुप्ता प्रदीप गुप्ता गुड्डा हाईलाइट के द्वारा प्रदत्त संजय मित्तल एफएम गुरुद्वारा प्रदान की गई मेंस की ट्रॉफी स्वर्गीय कैलाश अग्रवाल की स्मृति में उनके पुत्र अंशुल अग्रवाल द्वारा प्रदत्त उत्तर प्रदेश की बॉयज की टीम विजेता रही यह मैच उत्तर प्रदेश और राजस्थान की टीम के मध्य खेला गया था इसमें उत्तर प्रदेश उत्तर प्रदेश की टीम काफी अंतराल से विजई रही और टूर्नामेंट की चैंपियन बने विजेता ट्रॉफी मुख्य अतिथि मनीषा जीजा एसपी सिटी रवि शंकर द्वारा उत्तर प्रदेश की कप्तान राहुल शर्मा को प्रदान की गई जबकि उपविजेता ट्रॉफी स्वर्गीय सुखरानी भटनागर की स्मृति में उनके पुत्र डॉ मयंक भटनागर विख्यात भटनागर द्वारा उपविजेता ट्रॉफी के कप्तान राजस्थान के प्रदान की गई मैन ऑफ द सीरीज का पुरस्कार अशोक मित्तल की स्मृति में उनके पुत्र अभिषेक मित्तल चंचल द्वारा प्रदत प्रगति को प्रदान किया गया पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि मनीष अध्यक्षता रवि शंकर एसपी सिटी फिरोजाबाद प्रदीप गुप्ता विश्वदीप सिंह रानी प्रकाश आगरा संजय बंसल आगरा प्रदीप मित्तल पम्मी बाबू अनिल गर्ग मुकेश कुमार गुप्ता मामा साबिर अली खान जम्मू कश्मीर के अध्यक्ष फैजान साहब संजय मित्तल एफएम शुभम शर्मा आकांक्षा लहरी अमोल गुप्ता केडी लहरी डीसी गुप्ता अतुल जैन नीरज अग्रवाल सरस वर्मा राकेश कुलश्रेष्ठ विख्यात भटनागर उमेश शर्मा आदि का सचिव अनिल लहरी विकास लहरी राहुल गुप्ता पहलू प्रशांत महेश्वरी देवेंद्र वर्मा पंकज उपाध्याय अजीत लहरी यह सभी अतिथियों का माला पहनकर अभिनंदन स्वागत किया सचिव बने लहरी ने संचालन करते हुए पूरे टूर्नामेंट की रिपोर्ट पड़ी उन्होंने बताया कि इस टूर्नामेंट में छह राज्यों की महिला और पुरुष टीमों ने भाग लिया था जिसमें उत्तर प्रदेश राजस्थान में पुरुषों का फाइनल मैच खेला गया और महिला में उत्तर प्रदेश और बिहार के मध्य मैच खेला गया था जिसमें दोनों ही उत्तर प्रदेश की टीमों ने विजेता होकर चैंपियनशिप हासिल की अंत में अध्यक्ष मुकेश कुमार का सभी अतिथियों को प्रतीक चिन्ह पहनकर सम्मानित सम्मानित किया गया पुरस्कार वितरण समारोह के समय बड़ी तादाद में लोग उपस्थित थे और सभी ने सभी खिलाड़ियों का अभिवादन किया।

मुख्य अतिथि मनीषा असीजा जी ने कहा की काफी वर्षों के पास एसआरके पीजी कॉलेज की ग्राउंड पर ऑल इंडिया वह भी सॉफ्टवेयर क्रिकेट का महिलाओं पुरुषों का आयोजित कराकर जिला सॉफ्टवेयर क्रिकेट एसोसिएशन के अनिल लहरी प्रदीप मित्तल पम्मी मुकेश गुप्ता अनिल घर डीसी गुप्ता और सभी पदाधिकारी गणों को मैं बहुत तहे दिल से बधाई देता हूं कि उन्होंने बड़े अच्छे के बाद इस ऑल इंडिया टूर्नामेंट का की शुरुआत कर दी आगे भी यह टूर्नामेंट निरंतर होता रहना चाहिए जिससे हमारे नगर के खिलाड़ियों को अभी आगे खेलने का मौका मिल सके अंत में सभी सहयोगियों को धन्यवाद देते हुए इस सफल आयोजन के लिए धन्यवाद दिया

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, अलीगढ़ वृत्त, लो0नि0वि0, अलीगढ़

अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना (प्रेस विज्ञप्ति)

पत्रांक– 21/कैशियर (PDA)–अ0वृ0/24–25 दिनांक – 02.1.25

1 महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, अलीगढ़ वृत्त, लो.नि.वि., अलीगढ़, द्वारा निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार लोक निर्माण विभाग में मार्ग कार्य हेतु सुसंगत श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार से प्रतिशत दर के आधार पर ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदादाता किसी एक अथवा समस्त कार्यों हेतु निविदा में भाग ले सकता है। निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि निविदा डालने से पूर्व निविदा के लिए न्यूनतम अर्हता हेतु निविदा निर्देशिका के क्लॉज़–4 का ध्यानपूर्वक अध्ययन कर लें।

क्र. सं.	जनपद का नाम	कार्य का नाम	निर्माण की अनुमानित लागत	धरोहर धनराशि (लाख रू0में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	कार्य सम्पादित कराने वाले अधिशासी अभियन्ता का पता	अधीक्षण अभियन्ता के कार्यालय का पता	मुख्य अभियन्ता कार्यालय का पता	ठेकेदारों की श्रेणी/अनिवार्य पंजीकरण
1	2	3	4	7	8	9	10	11	12	13
सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण के कार्यः–										
1.	अलीगढ़	अलीगढ़ बरौली मार्ग	257.15	14.86	2000+300+54 =2354.00	02 माह	अधिशासी अभियन्ता, प्रा0ख0 लो0नि0वि0 अलीगढ़	अलीगढ़ वृत्त, लो0नि0वि0, अलीगढ़	अलीगढ़ क्षेत्र, लो0नि0वि0, अलीगढ़	'ए' (मार्ग कार्य में पंजीकृत)
2.		दौरऊ मोड़ पिसावा मार्ग	199.32	11.97	2000+300+54 =2354.00	02 माह				'ए', 'बी' एवं (मार्ग कार्य में पंजीकृत)
3.		लोहगढ़ से दूधमा वाया लास्की मार्ग	110.90	7.55	2000+300+54 =2354.00	02 माह				
4.		पी0टी0ए0से प्रेमपुर वालनपुर मार्ग	93.89	6.69	2000+300+54 =2354.00	02 माह				
5.		सुमेरा बरौली मार्ग	92.89	6.64	2000+300+54 =2354.00	02 माह				
6.		आगरा–मुरादाबाद मार्ग एन0एच0–509 जवाँ आबादी भाग	59.78	4.99	2000+300+54 =2354.00	02 माह				'ए', 'बी' एवं सी0 (मार्ग कार्य में पंजीकृत)
7.		साथा चीनी मिल से मीरपुर होते हुऐ हरदुआगंज मार्ग	53.43	4.67	2000+300+54 =2354.00	02 माह				
8.		अलीगढ़ रामघाट मार्ग से खानपुर खिटौली मार्ग	53.24	4.66	2000+300+54 =2354.00	02 माह				
9.		अलीगढ़ रामघाट मार्ग के कि0मी036 से जमनपुर मार्ग	47.89	4.39	2000+300+54 =2354.00	02 माह				
10.		पलवल–टप्पल–मानागढ़ी मार्ग से नरवारी मार्ग	47.89	4.39	2000+300+54 =2354.00	02 माह				
11.		रामघाट सांकरा मार्ग	47.51	4.38	2000+300+54 =2354.00	02 माह				

2 बिड अपलोड करने की तिथि से 90 दिन तक बिड स्वीकृति हेतु वैध रहेगी।

3 वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण एवं विस्तृत शर्तें तथा बिडिंग डॉक्यूमेन्ट्स आन लाइन देखे जा सकते है तथा दिनांक 15.01.2025 से 22.01.2025 तक देखे जा सकेगें। ऑनलाइन बिड दिनांक 22.01.2025 को दोपहर 12:00 बजे या इससे पूर्व ई–निविदा http://etender.up. nic.in पर अनिवार्य रूप से ऑनलाइन जमा कर दी जाये एवं ऑनलाइन प्राप्त समस्त टेक्निकल बिड दिनांक 22.01.2025 को अपरान्ह 12:30 बजे खोली जायेगी।

4 इच्छुक निविदादाता जिनके पास डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट (DSC) नहीं है, वह इसे निविदा जमा करने से पहले अप्रूव्ड एजेंसी से प्राप्त कर सकते हैं।

5 निविदादाता द्वारा निविदा शुल्क एवं धरोहर धनराशि इन्टरनेट बैंकिंग के माध्यम से शासनादेश संख्या–1/2018/3070/ 78–2–2018/42 आई0टी0/2017 (22) दिनांक 03.01.2018 द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार जमा करना होगा।

6 (http://wms.uppwd.gov.in/Prahari) पर सभी वांछित अभिलेखों को अपलोड किया जाना अनिवार्य है। अपलोड की गयी तकनीकी बिड़ो का मूल्यांकन प्रहरी साफ्टवेयर के माध्यम से किया जाना है।

7 अनुबन्ध गठन के समय प्रथम न्यूनतम निविदादाता को जमानत धनराशि एवं अतिरिक्त जमानत धनराशि शासनादेश सं0–14/2024/692/23–07–2024 दिनांक 09.08.2024 के अनुसार जमा करनी होगी।

8 उत्तर प्रदेश में समस्त मार्गो के अनुबन्धों में 05 वर्षीय अनुरक्षण हेतु समय–समय पर शासन/विभागाध्यक्ष द्वारा जारी निर्देश लागू होगें।

(योगेश कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
प्रा0ख0, लो0नि0वि0, अलीगढ़

(एस0के0 गौतम)
अधीक्षण अभियन्ता
अलीगढ़ वृत्त, लो0नि0वि0, अलीगढ़

संख्या : 225894 दि.10/01/2025 विज्ञापन बेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

मकर संक्रांति के दिन करें ये उपाय, साल भर धन-धान्य से भरा रहेगा घर

मकर संक्रांति के दिन सूर्य ग्रह के मकर राशि में प्रवेश करने से ग्रहों की स्थिति में बड़ा परिवर्तन आता है और जीवन में शुभ घटनाओं का आगमन होता है।

मकर संक्रांति इस साल 14 जनवरी, दिन मंगलवार को पड़ रही है।मकर संक्रांति का जितना धार्मिक महत्व है उतना ही ज्योतिष में भी खासा स्थान मौजूद है क्योंकि इस दिन सूर्य ग्रह के मकर राशि में प्रवेश करने से ग्रहों की स्थिति में बड़ा परिवर्तन आता है और जीवन में शुभ घटनाओं का आगमन होता है। ऐसे में अगर कुछ उपाय कर लिए जाएं तो इससे साल भर व्यक्ति का घर और जीवन धन-धान्य से भरा रहता है।

मकर संक्रांति 2025 के उपाय

मकर संक्रांति के दिन सूर्य देव की पूजा के बाद घर के मुख्य द्वार को जल से धोकर शुद्ध कर लें और फिर मेन गेट पर हल्दी की 5 गांठ कलावे में लपेटकर बांध दें। इससे घर में मौजूद नकारात्मक ऊर्जा दूर होगा, सकारात्मकता का संचार होगा और शुभता का घर में प्रवेश होगा।

मकर संक्रांति के दिन ग्रह दोष से छुटकारा पाने के लिए गंगा स्नान करना सबसे उत्तम उपाय है लेकिन अगर आप गंगा नदी में जाकर स्नान कर पाने में सक्षम नहीं है तो घर में ही स्नान के पानी में गंगाजल मिलाकर नहाएं। इससे ग्रह दोष के साथ-साथ शारीरिक दोष भी दूर होंगे।

मकर संक्रांति के दिन सफेद तिल का दान करें। इसके अलावा, सफेद तिल को जल में मिलाकर पीपल के पेड़ की जड़ में अर्पित करें। इससे सभी देवी-देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होगा और पितृ दोष भी शांत होगा। इसके अलावा इस उपाय को करने से सुख-समृद्धि आएगी।

मकर संक्रांति के दिन सूर्य देव को अर्घ्य देते समय जल में लाला चंदन अवश्य मिलाएं। इसके अलावा, सूर्य देव के आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ अवश्य करें। इस पाठ को आप आसन पर बैठकर अपने मंदिर के सामने संकल्प लेकर करेंगे तो इससे सूर्य कुंडली में मजबूत होंगे।

मकर संक्रांति के दिन खिचड़ी बनाने का विशेष महत्व मौजूद है। ऐसे में इस दिन खिचड़ी बनाकर आप जिन भी भगवान को मानते हैं उनका भोग लगायें और फिर उस खिचड़ी को खुद भी ग्रहण करें और उससे पहले किसी भूखे व्यक्ति को खिलाएं। इससे धन-धान्य में वृद्धि होगी।

मकर संक्रांति पर जरूर करें तुलादान

मकर संक्रांति पर स्नान और पूजा-पाठ के साथ ही दान का भी विशेष महत्व है. लेकिन इस दिन तुलादान का सबसे अधिक महत्व है और इससे पुण्य मिलता है.

मकर संक्रांति हिंदू धर्म के प्रमुख त्योहारों में एक है. सूर्य देव जब धनु राशि से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करते हैं, तब मकर संक्रांति मनाई जाती है. मकर संक्रांति को खिचड़ी, पोंगल, संक्रांति, माघी और उत्तरायण आदि जैसे नामों से भी जाना जाता है. इस साल 2024 में मकर संक्रांति सोमवार 15 जनवरी को है. मकर संक्रांति के दिन लोग पवित्र नदी में स्नान करते हैं, सामर्थ्यनुसार दान देते हैं, सूर्य उपासना करते हैं और पूजा-पाठ आदि का करते हैं. इस दिन खिचड़ी खाने और दान करने का भी महत्व है. लेकिन इसी के साथ मकर संक्रांति पर तुलादान का भी विशेष महत्व है. ऐसी मान्यता है कि, मकर संक्रांति पर किए तुलादान से बहुत लाभ होता है, इससे कई गुणा पुण्यफल मिलते हैं, संकटों से मुक्ति मिलती है और मोक्ष की भी प्राप्ति होती है. लेकिन सबसे पहले जानते हैं आखिर क्या है तुलादान. साथ ही इसके महत्व और नियम के बारे में.

तुलादान क्या है

हिंदू धर्म में वैसे तो दान को बहुत ही पुण्य कार्य माना गया है, जिससे ईश्वर भी प्रसन्न होते हैं. दान जीवनकाल में किया गया ऐसा पुण्यकर्म है, जिसका फल मरणोपरांत भी मिलता है. लेकिन सभी दानों में तुलादान को पुण्य दिलाने वाला दान माना जाता है. तुलादान ऐसे दान को कहते हैं, जो व्यक्ति के भार के अनुसार दिया जाता है. तुलादान में आपको स्वयं या जिसके लिए भी आपको दान करना है, उसके वजन के बराबर अनाज का दान किसी जरूरतमंद को कर दें.

तुलादान के नियम

- तुलादान करते समय इस बात का ध्यान रखें कि, यह दान किसी ऐसे व्यक्ति को ही दें, जो असहाय या जरूरतमंद हो. कभी भी अघाये हुए हो तुलादान न करें, वरना इसका फल नहीं मिलता.
- मकर संक्रांति पर स्नान के बाद ही तुलादान करें. बिना स्नान किए किसी भी प्रकार का दान नहीं करना चाहिए.
- तुलादान यदि शुक्ल पक्ष के रविवार को किया जाए तो सबसे उत्तम माना जाता है.
- मकर संक्रांति पर दान का विशेष महत्व होता है. ऐसे में इस दिन किए तुलादान का महत्व और अधिक बढ़ जाता है.
- तुलादान में आप अनाज, नवग्रह से जुड़ी चीजें या सतनाज जैसे (गेहूं, चावल, दाल, मक्का, ज्वार, बाजरा, सावुत चना) का दान कर सकते हैं.

तुलादान की परंपरा की शुरुआत कैसे हुई

पौराणिक मान्यता के अनुसार, विष्णुजी के कहने पर ब्रह्मा जी द्वारा तुलादान को तीर्थों का महत्व तय करने के लिए कराया था. इसके साथ ही तुलादान को लेकर भगवान कृष्ण से जुड़ी एक धार्मिक व पौराणिक कथा खूब प्रचलित है, जिसके अनुसार- एक बार श्रीकृष्ण पर अपना एकाधिकार जमाने के लिए सत्यभामा ने उन्हें नारद मुनि को दान दे दिया. इसके बाद नारद मुनि कृष्ण को लेकर जाने लगे. इसके बाद सत्यभामा को अपनी भूल का एहसास हुआ. लेकिन सत्यभामा के पास कोई कृष्ण को रोकने का रोई विकल्प भी नहीं था, क्योंकि वह तो पहले ही नारद मुनि को कृष्ण का दान कर चुकी थी. तब कृष्ण को दुबारा प्राप्त करे के लिए सत्यभामा ने नारद मुनि से इसके उपाय के बारे में पूछा. नारद मुनि ने सत्यभामा से कहा कि वह, भगवान कृष्ण का तुलादान कर दे. इसके बाद एक तराजू लाई गई. तराजू के एक ओर श्रीकृष्ण बैठ गए और दूसरी ओर स्वर्ण-मुद्राएं, आभूषण, अन्न आदि रखे गए. लेकिन इतना सबकुछ रखने के बाद भी कृष्ण की ओर का पलड़ा नहीं तक हिला. ऐसे में रुक्मणी ने सत्यभामा को दान वाले पलड़े में एक तुलसी का पत्ता रखने को कहा. जैसे ही सत्यभामा ने दान वाले पलड़े में तुलसी का पत्ता रखा तो तराजू के दोनों पलड़े बराबर हो गए. इस समय श्रीकृष्ण ने ही तुलादान के महत्व के बारे में बताया था.

गीता में लिखे हैं मकर संक्रांति के 3 रहस्य

सूर्य के एक राशि से दूसरी राशि में संक्रमण करने को संक्रांति कहते हैं। वर्ष में 12 संक्रांतियां होती है जिसमें से 4 संक्रांति मेष, तुला, कर्क और मकर संक्रांति ही प्रमुख मानी गई हैं। मकर संक्रांति के दिन सूर्य धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है इसीलिए इसे मकर संक्रांति कहते हैं। गीता में इसका क्या महत्व है जानिए 3 रहस्य।

- **उत्तरायण में शरीर त्यागने से नहीं होता है पुनर्जन्म** : मकर संक्रांति के दिन सूर्य उत्तरायण होता है। भगवान श्रीकृष्ण ने उत्तरायन का महत्व बताते हुए गीता में कहा है कि उत्तरायन के 6 मास के शुभ काल में, जब सूर्य देव उत्तरायन होते हैं और पृथ्वी प्रकाशमय रहती है, तो इस प्रकाश में शरीर का परित्याग करने से व्यक्ति का पुनर्जन्म नहीं होता, ऐसे लोग ब्रह्म को प्राप्त हैं। इसके विपरीत सूर्य के दक्षिणायण होने पर पृथ्वी अंधकारमय होती है और इस अंधकार में शरीर त्याग करने पर पुनः जन्म लेना पड़ता है। यही कारण था कि भीष्म पितामह ने शरीर तब तक नहीं त्यागा था, जब तक कि सूर्य उत्तरायन नहीं हो गया। माना जाता है कि उत्तरायण में शरीर का परित्याग करने से व्यक्ति को सद्गति मिलती है।
- **देवताओं का दिन प्रारंभ** : हिन्दू धर्मशास्त्रों के अनुसार मकर संक्रांति से देवताओं का दिन आरंभ होता है, जो आषाढ़ मास तक रहता है। कर्क संक्रांति से देवताओं की रात प्रारंभ होती है। अर्थात देवताओं के एक दिन और रात को मिलाकर मनुष्य का एक वर्ष होता है। मनुष्यों का एक माह पितरों का एक दिन होता है। उनका दिन शुक्ल पक्ष और रात कृष्ण पक्ष होती है।
- **दो मार्ग का वर्णन** : जगत में दो मार्ग है शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष। देवयान और पितृयान। देवयान में ज्योतिर्मय अग्नि-अभिमानी देवता हैं, दिन का अभिमानी देवता है, शुक्ल पक्ष का अभिमानी देवता है और उत्तरायण के छः महीनों का अभिमानी देवता है, उस मार्ग में मरकर गए हुए ब्रह्मवेत्ता योगीजन उपयुक्त देवताओं द्वारा क्रम से ले जाए जाकर ब्रह्म को प्राप्त होते हैं। पितृयान में धूमाभिमानी देवता है, रात्रि अभिमानी देवता है तथा कृष्ण पक्ष का अभिमानी देवता है और दक्षिणायन के छः महीनों का अभिमानी देवता है, उस मार्ग में मरकर गया हुआ सकाम कर्म करने वाला योगी उपयुक्त देवताओं द्वारा क्रम से ले गया हुआ चंद्रमा की ज्योत को प्राप्त होकर स्वर्ग में अपने शुभ कर्मों का फल भोगकर वापस आता है।लेकिन जिनके शुभकर्म नहीं हैं वे उक्त दोनों मार्गों में गमन नहीं करके अधोयोनि में गिर जाते हैं।

संक्रांति पर इन मंत्रों से करें पूजन

पौराणिक शास्त्रों के अनुसार सूर्यदेव सृष्टि के महत्वपूर्ण आधार हैं। सूर्य की उपासना वैदिक काल से चली आ रही है। सूर्यदेव ज्ञान, आध्यात्म और प्रकाश के प्रतीक माने जाते हैं और मकर संक्रांति भगवान सूर्यदेव का त्योहार है। वर्ष 2025 में मकर संक्राति का त्योहार 14 जनवरी को मनाया जा रहा है। इस दिन सूर्यदेव दक्षिण की यात्रा समाप्त करके उत्तर दिशा की तरफ बढ़ते हैं यानी मकर संक्रांति के दिन सूर्य उत्तरायन हो जाते हैं।

भगवान सूर्यदेव के उदय होते ही पूरी दुनिया का अंधकार नष्ट होकर चारों ओर प्रकाश फैल जाता है। मकर संक्रांति का पर्व किसानों का मुख्य त्योहार माना गया है, क्योंकि सूर्यदेव की कृपा से फसल का उत्पादन होता है। हिन्दू धर्म के अनुसार जब सूर्य का मकर राशि में प्रवेश होता है तब यह मकर संक्रांति कहलाता है। सूर्य अर्घ्य देने के नियम-

- प्रातःकाल सूर्योदय से पूर्व शुद्ध होकर स्नान करें।
- तत्पश्चात उदित होते सूर्य के समक्ष कुश का आसन लगाएं।
- आसन पर खड़े होकर तांबे के पात्र में पवित्र जल लें।
- उसी जल में मिश्री भी मिलाएं। मान्यतानुसार सूर्य को मीठा जल चढ़ाने से जन्मकुंडली के दूषित मंगल का उपचार होता है।
- मंगल शुभ हो तब उसकी शुभता में वृद्दि होती है।
- जैसे ही पूर्व दिशा में सूर्यागमन से पहले नारंगी किरणें प्रस्फूटित होती दिखाई दें, आप दोनों हाथों से तांबे के पात्र को पकड़ कर इस तरह जल चढ़ाएं कि सूर्य जल चढ़ाती धार से दिखाई दें।
- सूर्य को जल धीमे-धीमे इस तरह चढ़ाएं कि जलधारा आसन पर आ गिरे ना कि जमीन पर।
- जमीन पर जलधारा गिरने से जल में समाहित सूर्य-ऊर्जा धरती में चली जाएगी और सूर्य अर्घ्य का संपूर्ण लाभ आप नहीं पा सकेंगे।
- अर्घ्य देते समय यह मंत्र 11 बार पढ़ें- ऊँ ऐहि सूर्य सहस्त्रांशों तेजोराशे जगत्पते। अनुकंपये माम भक्त्या गृहणार्घ्यं दिवाकरः।।'
- फिर यह मंत्र 3 बार पढ़ें- ऊँ हरीं हरीं सूर्याय, सहस्त्रकिरणाय। मनोवांछित फलं देहि देहि स्वाहाः।।'
- तत्पश्चात सीधे हाथ की अंजूरी में जल लेकर अपने चारों ओर छिड़कें।
- अपने स्थान पर ही 3 बार घूम कर परिक्रमा करें।
- आसन उठाकर उस स्थान को नमन करें।
- इसके अलावा सूर्यदेव को अर्घ्य देते समय तांबे के लोटे में जल लेकर उसमें रोली, चंदन, लाल पुष्प डालना चाहिए तथा चावल अर्पित करके गुड़ चढ़ाना चाहिए। इससे सूर्यदेव की कृपा प्राप्त होती है।

सूर्य पूजा का खास महत्व

- रामायण काल से ही भारतीय संस्कृति में दैनिक सूर्य पूजा का प्रचलन चला आ रहा है। रामकथा में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम द्वारा नित्य सूर्य पूजा का उल्लेख मिलता है। मकर संक्रांति के दिन सूर्य की विशेष आराधना होती है।
- सूर्य के उत्तरायण होने के बाद से देवों की ब्रह्म मुहूर्त उपासना का पुण्यकाल प्रारंभ हो जाता है। इस काल को ही परा-अपरा विद्या की प्राप्ति का काल कहा जाता है। इसे साधना का सिद्धिकाल भी कहा गया है।
- सूर्य संस्कृति में मकर संक्रांति का पर्व ब्रह्मा, विष्णु, महेश, गणेश, आद्यशक्ति और सूर्य की आराधना एवं उपासना का पावन व्रत है, जो तन-मन-आत्मा को शक्ति प्रदान करता है।

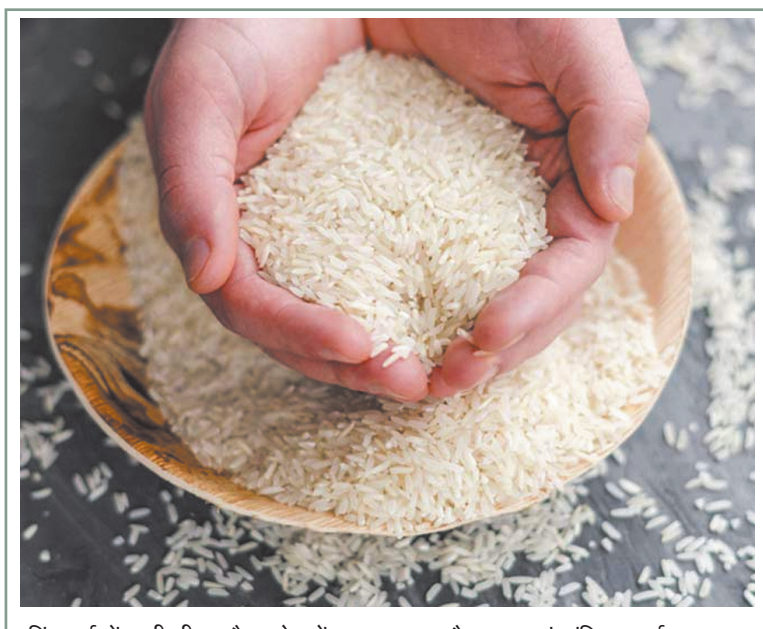

मकर संक्रांति के दिन जरूर करें इन चीजों का दान

हिंदू धर्म में सभी तीज और त्योहारों का विशेष महत्व है। वहीं मकर संक्रांति के दिन दान-पुण्य करने का विधान है। अब ऐसे में मकर संक्रांति के दिन किन चीजों का दान करना शुभ माना जाता है। इसके बारे में विस्तार से जानते हैं। अंग्रेजी कैलेंडर के हिसाब से नए साल आरंभ हो चुका है और इसी के साथ तीज और त्योहार भी जल्द ही शुरू होने वाला है। मकर संक्रांति का पर्व साल का पहला पहला त्योहार है। धार्मिक और ज्योतिष दृष्टि से मकर संक्रांति के पर्व बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। पंचांग के हिसाब से जिस दिन सूर्यदेव मकर राशि में गोचर करते हैं, उसी दिन मकर संक्रांति का पर्व मनाया जाता है। मकर संक्रांति के दिन खरमास का समापन हो जाते हैं और इसी दिन से शुभ कार्य आरंभ हो जाते हैं। मकर संक्रांति के दिन दान-पुण्य करने का विशेष महत्व है। अब ऐसे में इस दिन किन चीजों का दान करना शुभ माना जाता है।

मकर संक्रांति के दिन करें अन्न का दान

मकर संक्रांति के दिन अन्न का दान विशेष रूप से करें। मकर संक्रांति का त्योहार हिंदू धर्म में बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन सूर्य देव धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करते हैं। यह दिन नए साल की शुरुआत और पुराने साल के अंत का प्रतीक भी माना जाता है। इस दिन दान करना बहुत शुभ माना जाता है। अन्न को देवता का रूप माना जाता है। अन्न दान करने से देवता प्रसन्न होते हैं और व्यक्ति को सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं। ज्योतिष के अनुसार, अन्न दान करने से ग्रहों का अशुभ प्रभाव कम होता है और व्यक्ति को सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

मकर संक्रांति के दिन करें पीले वस्त्र का दान

पीला रंग सूर्य देव से जुड़ा हुआ है। मान्यता है कि सूर्य देव को पीला रंग बहुत प्रिय है। इसलिए मकर संक्रांति के दिन पीले वस्त्रों का दान करने से सूर्य देव प्रसन्न होते हैं। पीला रंग सकारात्मक ऊर्जा और उल्लास का प्रतीक है। पीले वस्त्रों का दान करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और सुख-समृद्धि आती है।

मकर संक्रांति के दिन करें गुड़ का दान

गुड़ को सूर्य देव से जोड़ा जाता है। माना जाता है कि मकर संक्रांति के दिन गुड़ का दान करने से सूर्य देव प्रसन्न होते हैं और अपनी कृपा बरसाते हैं। गुड़ का दान करने से व्यक्ति को मनोवांछत फलों की प्राप्ति हो सकती है।

मकर संक्रांति के दिन करें काले तिल का दान

मकर संक्रांति के दिन गुड़ और काले तिल के लड्डू बनाएं जाते हैं और सूर्यदेव की पूजा अर्पित किया जाता है। इसके साथ ही शनिदेव को भी चढ़ाया जाता है। इससे व्यक्ति की कुंडली में स्थित ग्रहदोष से छुटकारा मिल जाता है और उत्तम परिणाम मिलने लग जाते हैं।

धन लाभ के लिए मकर संक्रांति के दिन गाय को खिलाएं ये चीजें

मकर संक्रांति के दिन सूर्य देव मकर राशि में प्रवेश कर पुनः शुभ स्थिति में आ जाते हैं। ऐसे में इस दिन कुछ पुण्यकर कार्यों को करने से न सिर्फ सूर्य ग्रह की कृपा मिलती है बल्कि जीवन में शुभ परिणामों की प्राप्ति होती है। मकर संक्रांति इस साल 14 जनवरी, दिन मंगलवार को पड़ रही है। इस दिन सूर्य देव की पूजा का विधान है। मकर संक्रांति के दिन सूर्य देव मकर राशि में प्रवेश कर पुनः शुभ स्थिति में आ जाते हैं। ऐसे में इस दिन कुछ पुण्यकर कार्यों को करने से न सिर्फ सूर्य ग्रह की कृपा मिलती है बल्कि जीवन में शुभ परिणामों की प्राप्ति होती है और हर काम में सफलता मिलने लग जाती है।

मकर संक्रांति के दिन गाय को खिलाएं गुड़ रोटी

गुड़ और गेहूं का संबंध सूर्य ग्रह से माना गया है। ऐसे में मकर संक्रांति के दिन गाय को गुड़ और रोटी खिलाने से जहां एक ओर कुंडली में सूर्य की स्थिति मजबूत होती है तो वहीं, गौ माता का आशीर्वाद भी बना रहता है।

मकर संक्रांति के दिन गाय को खिलाएं गोंद लड्डू

मकर संक्रांति के दिन गाय को गोंद के लड्डू खिलाने चाहिए। ऐसा माना जाता है कि इस दिन गाय को गोंद के लड्डू खिलाने से न सिर्फ घर में सफलता प्राप्ति के अमार्ग खुलते हैं बल्कि भाग्य में वृद्धि होती है। व्यक्ति को सौभाग्य की प्राप्ति होती है। देवी-देवताओं का आशीर्वाद मिलता है और ग्रह दोष भी दूर हो जाता है।

मकर संक्रांति के दिन गाय को खिलाएं तिल पंजीरी

मकर संक्रांति के दिन गाय को तिल और पंजीरी भी खिलाना शुभ माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र में ऐसी मान्यता है कि तिल से बनी किसी चीज का भोग गाय को इस दिन खिलाने से पिट शांत होते हैं और शनिदेव भी प्रसन्न रहते हैं।

संपादकीय

भगदड़ हादसा और धार्मिक आयोजनों में भीड़ नियंत्रण की लापरवाही

किसी भी हादसे का सबसे बड़ा सबक यह होना चाहिए कि ऐसे उपाय किए जाएं, ताकि दोबारा उसी तरह के हालात पैदा न हों। मगर धार्मिक स्थलों पर या ऐसे आयोजनों में जमा होने वाली भीड़ और उसके प्रबंधन को लेकर अक्सर इस हद तक लापरवाही बरती जाती है कि बार-बार भगदड़ की वजह से लोगों की जान जाने की घटनाएं सामने आ रही हैं। गौरतलब है कि तिरुपति के भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर परिसर में बुधवार को मची भगदड़ ने पुराने जख्मों को कुरेद दिया है। यह आमतौर पर देखा गया है कि किसी खास आयोजन की तैयारी तो कर ली जाती है, लेकिन भीड़ नियंत्रण और प्रबंधन के उपाय पहले से नहीं किए जाते। तिरुपति में भी ऐसा ही हुआ। वहां टोकन लेने के लिए श्रद्धालु उमड़ पड़े और देखते ही देखते अफरा-तफरी मच गई। उसके बाद मची भगदड़ में छह लोगों की जान जाने की खबर आई। तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए कारगर तैयारी की गई होती, तो इस हादसे से बचा जा सकता था। सवाल है कि इस हद तक बरती गई लापरवाही की वजह से जो हुआ, उसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाएगा! यह विचित्र है कि धार्मिक स्थलों पर होने वाले आयोजनों में भगदड़ मचने की स्थिति में उसमें फंसे श्रद्धालुओं को शीघ्रता से बाहर निकालने के लिए वैकल्पिक मार्ग का प्रबंध नहीं किया जाता। जबकि विशिष्ट अतिथियों को किसी भी प्रतिकूल स्थिति से बचाने के लिए उनके आने और जाने का अलग इंतजाम होता है। पिछले कुछ समय से इस तरह के आयोजनों में भीड़ के बेकाबू हो जाने की घटनाएं आए दिन सामने आ रही हैं। कई राज्यों में हुए ऐसे कई हादसों में अब तक सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है। मगर ऐसी घटनाओं को रोकने को लेकर न तो कभी गंभीरता से विचार होता है, न कभी कोई ऐसी कार्रवाई होती है, जो आगे के आयोजनों के लिए सबक सिद्ध हो। ज्यादातर जांच रपटों में इसकी वजह भीड़ बताई जाती है, जबकि कुप्रबंधन का तथ्य आमतौर पर छिपा लिया जाता है। शायद ही कभी ऐसी भगदड़ और उसमें लोगों की मौत के लिए आयोजकों की जवाबदेही तय की जाती है और प्रशासनिक लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया जाता है। नतीजतन, ऐसे हादसे लगातार सामने आ रहे हैं।

दिल्ली के चुनाव 'आप' के लिये परीक्षा की घड़ी

देश का दिल कहे जाने वाली राजधानी दिल्ली में विधानसभा चुनाव-2025 का बिगुल बज चुका है, कड़कड़ाती सर्दी में भारतीय जनता पार्टी, आम आदमी पार्टी एवं कांग्रेस कै बीच राजनीतिक दंगल के आगाज के साथ राजनीतिक पारा भी चढ़ने लगा है। उम्मीद की जा रही है कि ठण्ड का पारा गिरने-चढ़ने का रिकॉर्ड बनाने वाली दिल्ली इस बार मतदान का नया रिकॉर्ड बनाने के साथ राजनीति उठापटक का भी नया इतिहास बनायेगी। दिल्ली में चुनावों के ऐलान के साथ ही आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो चुका है। एक दूसरे की कलई खोलने की कोशिशें हो रही हैं। 'आप' दिल्ली में हैट्रिक लगाने की तैयारी में है, तो भाजपा सत्ता विरोधी लहर, शीश महल, भ्रष्टाचार के आरोप को आधार बनाकर उसे रोकना चाहती है।

(ललित गर्ग)

दिल्ली में जीत के नये कीर्तिमान गढ़ने वाली नई नवेली 'आप' ने साल 2013 में अपने पहले चुनाव में 70 में से 28 सीटें जीतकर सबको चौंका दिया था। उस समय भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी लेकिन 'आप' ने कांग्रेस से मिलकर सरकार बनाई।

देश का दिल कहे जाने वाली राजधानी दिल्ली में विधानसभा चुनाव-2025 का बिगुल बज चुका है, कड़कड़ाती सर्दी में भारतीय जनता पार्टी, आम आदमी पार्टी एवं कांग्रेस के बीच राजनीतिक दंगल के आगाज के साथ राजनीतिक पारा भी चढ़ने लगा है। उम्मीद की जा रही है कि ठण्ड का पारा गिरने-चढ़ने का रिकॉर्ड बनाने वाली दिल्ली इस बार मतदान का नया रिकॉर्ड बनाने के साथ राजनीति उठापटक का भी नया इतिहास बनायेगी। दिल्ली में चुनावों के ऐलान के साथ ही आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो चुका है। एक दूसरे की कलई खोलने की कोशिशें हो रही हैं। 'आप' दिल्ली में हैट्रिक लगाने की तैयारी में है, तो भाजपा सत्ता विरोधी लहर, शीश महल, भ्रष्टाचार के आरोप को आधार बनाकर उसे रोकना चाहती है। कांग्रेस अपनी खोयी जमीन को पाने की जद्दोजहद में जुटी है। सबसे दिलचस्प एवं रोमांचक इस चुनाव में देखना है दिल्ली की जनता किसके सर पर ताज पहनाती है?

चुनाव की घोषणा से पहले ही तीनों राजनीतिक दल आम मतदाता को लुभाने के लिये तरह-तरह की घोषणाएं करते हुए जनता से मुखातिब हो रहे हैं, जनता के बीच जा रहे हैं, सभाएं कर रहे हैं, यात्रा निकाल रहे हैं। 'आप' तमाम तरह की संकट एवं संघर्षपूर्ण स्थितियों के बावजूद मजबूती बनाये हुए है, क्योंकि आप-सरकार की योजनाएं और कार्यक्रम, जैसेकि सरकारी स्कूलों का कायाकल्प, मोहल्ला क्लीनिक और मुफ्त बिजली, साथ ही महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा और वरिष्ठ नागरिकों को फ्री में तीर्थ यात्रा कराना उसकी ताकत बनी हुई है। नयी घोषणाओं के साथ वह अपनी इस ताकत को बढ़ाते हुए 'आप' ने महिलाओं को 2100 रुपये हर महीने देने, बुजर्गों को फ्री इलाज, ऑटो चालकों को 10 लाख का बीमा देने, पंडितों एवं ग्रंथियों को 18 हजार प्रतिमाह जैसी कई योजनाओं का ऐलान किया है, जो पूरे चुनाव का रुख मोड़ सकती हैं। 'रेवड़ी पर चर्चा' जैसी मुहिम से 'आप' हर वोटर के घर तक पहुंच रही है। पब्लिक को बार-बार याद दिला रही है कि उनकी सरकार ने क्या-क्या काम किए हैं। लेकिन 'आप' के खिलाफ सरकार में 10 साल रहने की वजह से सत्ता विरोधी लहर काफी बढ़ गई है। कई वोटर बदलाव की जरूरत महसूस करते हैं। दिल्ली का विकास अवरुद्ध है, वायु प्रदूषण जानलेवा साबित हो रहा है, यमुना प्रदूषित हो चुकी है, जनता को पीने का शुद्ध पानी नहीं मिल रहा है, सड़के गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया समेत पार्टी के सभी प्रमुख नेताओं की भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तारी

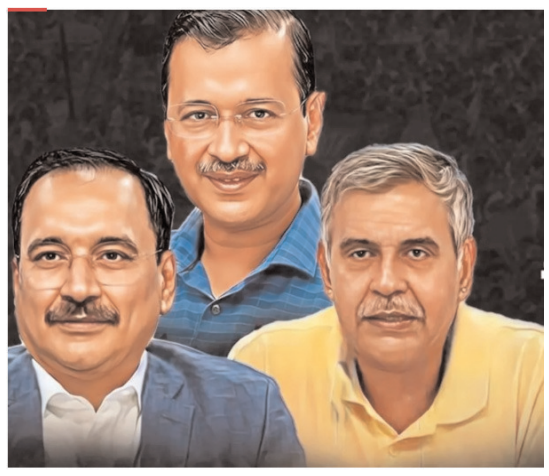

हुई है। 'शीश महल' विवाद ने अरविंद केजरीवाल की छवि को नुकसान पहुंचाया है। इससे पार्टी की साफ सुथरी छवि धूमिल हुई है। इसके अलावा मतभेद की वजह से कई नेता छोड़ गए, इससे केजरीवाल की जीत की संभावनाओं पर असर पड़ सकता है। लगता है कि 'आप' की उलटी गिनती तो शुरु हो गयी है, देखना है वह कहां जाकर रूकती है।

दिल्ली में जीत के नये कीर्तिमान गढ़ने वाली नई नवेली 'आप' ने साल 2013 में अपने पहले चुनाव में 70 में से 28 सीटें जीतकर सबको चौंका दिया था। उस समय भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी लेकिन 'आप' ने कांग्रेस से मिलकर सरकार बनाई। लेकिन यह सरकार सिर्फ़ 49 दिनों तक चल पाई। अरविंद केजरीवाल ने फ़रवरी 2014 में ये कहते हुए इस्तीफ़ा दे दिया कि दिल्ली विधानसभा में संख्या बल की कमी की वजह से वो जन लोकपाल बिल पास कराने में नाकाम रहे हैं, इसलिए फिर से चुनाव बाद पूर्ण जनादेश के साथ लौटेंगे। 2015 में जब चुनाव हुआ तो दिल्ली की राजनीति में इतिहास रचते हुए 'आप' ने 70 में से 67 सीटें जीत लीं। वर्ष 2020 में भी आप ने जीत का कीर्तिमान बनाते हुए 62 सीटें जीती। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बार का चुनाव काफ़ी रोचक होने वाला है लेकिन यह 'आप' के लिये चुनौतीपूर्ण होने के साथ संकटपूर्ण है। जिस भ्रष्टाचार के मुद्दे पर अन्ना आंदोलन के बीच से आम आदमी पार्टी का जन्म हुआ, इसी मुद्दे पर भाजपा केजरीवाल को घेरने की पुरज़ोर कोशिश कर रही है। आप को भाजपा ही नहीं, कांग्रेस से भी बड़ा खतरा है। भाजपा ने अभी अपने पूरे उम्मीदवारों की सूची भी जारी नहीं की है लेकिन चुनाव प्रचार अभियान के लिए पार्टी ने अपने स्टार प्रचारक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उतार दिया है और उन्होंने अपनी पहली ही चुनावी सभा में आम आदमी पार्टी पर आक्रामक हमला बोलते हुए उसे दिल्ली के लिये 'आप-दा' यानी बड़ा संकट कह दिया है। आप के नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप, एलजी ऑफिस के साथ टकराव और कई अन्य फैसले 'आप' की विश्वसनीयता एवं सुदृढ़ता को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

दिल्ली विधानसभा का चुनाव इसलिए ज्यादा ही महत्वपूर्ण है कि इसका असर राष्ट्रव्यापी होता है। दिल्ली सरकार की सांविधानिक शक्तियां भले ही सीमित हों, मगर राष्ट्रीय मीडिया के केंद्र में होने के नाते इसके नेताओं को तुरंत राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पहचान बन जाती है। इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती कि दिल्ली को एक मॉडल स्टेट बनना चाहिए था, मगर न यह विकास का मॉडल बन सका और न ही सुचारू सुशासन प्रणाली का। दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था एवं विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर देश की राजधानी की दुर्दशा एवं ठहरा हुआ विकास एक बदनुमा दाग है, विडंबना यह है कि इसके लिए 'आप' सरकार दोषी होते हुए भी क्या आम जनता की अदालत में दोषी साबित होगी? भाजपा, कांग्रेस और आप तीनों के लिए यह विधानसभा चुनाव करो या मरो की स्थिति वाला है। पिछले तीन लोकसभा चुनावों से केंद्र में सरकार बनाने वाली और दिल्ली की सभी संसदीय सीटें लगातार जीतने के बावजूद भाजपा पिछले 26 वर्षों से राजधानी की सत्ता से दूर है। यही नहीं, दिल्ली नगर निगम में दशकों से कायम उसकी सत्ता भी छिन चुकी है। ऐसे में इस टीस को वह इस विधानसभा चुनाव में जरूर दूर करना चाहेगी और इसके लिये उसकी तैयारी ही केजरीवाल के लिये संकट का बड़ा कारण है। विश्लेषकों का कहना है कि यह चुनाव इसलिए भी रोचक होने जा रहा है क्योंकि इसके नतीजे राष्ट्रीय राजनीति को प्रभावित करेंगे और सबसे ज्यादा, आम आदमी पार्टी के भविष्य को तय करेंगे।

दिल्ली की यह चुनावी लड़ाई इस मायने में खास नहीं कही जाएगी कि इस बार भी वही तीनों दल प्रमुखता से मैदान में हैं, जो पिछले चुनावों में थे। 'आप' के अस्तित्व में आने के बाद से यहां त्रिकोणिय मुकाबला ही हो रहा है। यह अलग बात है कि इस अपेक्षाकृत नई पार्टी ने एक बार वर्चस्व स्थापित होने के बाद यहां अपनी पकड़ कमजोर नहीं होने दी। पिछले दो चुनावों में उसे दिल्ली की जनता से शानदार बहुमत मिला। नई और दो राज्यों में सत्तारूढ़ होने के बावजूद 'आप' ने मुफ्त की संस्कृति एवं आक्रामक शैली की राजनीति से अपनी अलग पहचान बनाई है। इस आक्रामकता एवं मुफ्त की संस्कृति ने जहां 'आप' को नई धार दी है, ताकत दी, पहचान दी वहीं अन्य दलों के साथ उसके संबंधों को भी सहज-सामान्य होने से रोका है। धीरे-धीरे उसकी यही ताकत उसकी कमजोरी बनती जा रही है। भाजपा एवं कांग्रेस भी उस पर हमले करने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ रही। इसमें खास बात सिर्फ यही है कि छह महीने पहले हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और आप दोनों ही विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन में शामिल थे और भाजपा पर संयुक्त हमला कर रहे थे। जाहिर है, इनके बीच की तीखी बयानबाजी इंडिया गठबंधन के अंदर असहजता पैदा कर रही है और शिवसेना (यूबीटी) जैसे दल इनसे संयम बरतने की अपील भी कर चुके हैं। जिस तरह से विधानसभा चुनाव-2025 लड़ा जा रहा है, उससे साफ है कि नतीजा चाहे जो भी हो उसके निहितार्थ दूर तक जाएंगे। दिल्ली की सत्ता 'आप' के आंतरिक समीकरण के लिहाज से भी अहम है। ऐसे में वह हर हाल में अपनी कामयाबी दोहराना चाहेगी। लेकिन इस चुनाव में परीक्षा सिर्फ इन राजनीतिक पार्टियों की नहीं, बल्कि दिल्ली के मतदाताओं की भी होगी कि वे अपनी समस्याओं के प्रति कितनी सजगता दिखाते हैं? इस बार दिल्ली की जनता को अपने हित की बजाय दिल्ली के हित में सोचना है। देखना है कि क्या जनता स्वहित के चलते आधे इंजन की सरकार बनायेगी या दिल्ली के समग्र एवं भ्रष्टाचारमुक्त शासन के लिये डबल इंजन की सरकार बनायेगी। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार हैं।

भूकंप का घातक प्रहार झेलने के लिए हम कितने तैयार

(अतींद्र कुमार शुक्ला, भूकंप विज्ञानी)

मंगलवार सुबह चीन में आए भूकंप की वजह से 60 से ज्यादा लोगों की मौत बहुत दुखद है और इससे भूकंप के मामलों में हमारी लाचारी का भी पता चलता है। यह भूकंप एक बार फिर संवेदनशील माने जाने वाले देशों के लिए चेतावनी है। भूकंप के जोखिम और उससे जुड़े तमाम इंतजामों को फिर परख लेना समय की मांग है।

यह बात हम ठीक से जानते हैं कि भारतीय भूभाग का 59 प्रतिशत हिस्सा भूकंप की दृष्टि से ज्यादा संवेदनशील है। भूगर्भीय प्लेट की वजह से ही भूकंप आते हैं और हिमालय खास तौर पर संवेदनशील है। साल 1975 से अब तक अगर देखें, तो छह मैग्नीट्यूड या उससे ऊपर के आठ भूकंप आ चुके हैं। इनमें से कच्छ का

भूकंप 6.9 मैग्नीट्यूड का था। पांच दशक के समय में ही आठ बड़े भूकंपों ने लोगों की चिंता बढ़ा रखी है।

कुछ चिंताएं हैं, क्या भूकंप सुबह के समय ज्यादा आते हैं? क्या ठंड के दिनों में ज्यादा आते हैं? वैसे भूकंप का कोई तय समय या मौसम नहीं है, फिर भी यह ध्यान आता है कि भुज का भूकंप 26 जनवरी, 2001 को आया था, तो बिहार-नेपाल में 1934 का खतरनाक भूकंप 15 जनवरी को आया था। वैसे, सावधान रहना चाहिए कि भूकंप कभी भी आ सकता है। बड़ा सवाल यह है कि नुकसान कितना होगा? नुकसान से जुड़ा एक अध्ययन साल 2013 में ही बिहार में किया गया था। यह जानने की कोशिश की गई थी कि साल 1934 में बिहार-नेपाल में 8.4 मैग्नीट्यूड का भूकंप आया था, वैसा ही भूकंप अगर फिर आए, तो क्या होगा? अध्ययन में देखा गया था कि अगर रात के समय भूकंप आता है, तो कितना नुकसान होगा और दिन में आया भूकंप कितना घातक होगा? दस करोड़ से ज्यादा की आबादी वाले बिहार में अगर रात के समय भूकंप आता है, तो दो लाख 22 हजार से ज्यादा मौत का अनुमान है। यही अगर दिन में आए, तो 72 हजार से ज्यादा मौतें हो सकती हैं।

अब सवाल है कि हम बचाव के लिए क्या करें? वास्तव में, आज अपने घरों और भवनों को भूकंप सहने लायक बनाने की जरूरत सबसे बड़ी है। पर्याप्त वैज्ञानिक अध्ययन हुए हैं, भूकंपरोधी निर्माण के मापदंड बने हैं, पर क्या उनकी पालना हो रही है? यह केवल सरकारों को ही नहीं, बल्कि आम लोगों को भी सोचना चाहिए। एक बड़ा सवाल यह भी है कि क्या हम समय पूर्व चेतावनी का कोई तंत्र बना सकते हैं? भूकंप से जो ऊर्जा पैदा होती है, वह विभिन्न लहरों या वेव के माध्यम से विभिन्न जगह पहुंचती है। मुख्य लहर को हम प्राथमिक या प्राइमरी लहर और द्वितीय या सेकेंडरी लहर के नाम से जानते हैं। इन लहरों के समय में अंतर होता है। इस अंतर को ध्यान में रखकर हम चेतावनी जारी कर सकते हैं।

जब कोई भूकंप होता है, तो प्राइमरी लहर बहुत जल्दी आती है, उसकी गति ज्यादा होती है, जबकि सेकेंडरी लहर कुछ देर से आती है, इसकी गति कुछ धीमी होती है। प्राइमरी लहर जब आती है, तब एक धक्का सा महसूस होता है। सेकेंडरी लहर से भूमि में कंपन होता है, वह ऊपर-नीचे होने लगती है। अगर घर या भवन मजबूती से न खड़े हों, तो सेकेंडरी लहर में गिर जाते हैं। अगर भूकंप की पहली लहर के आते ही अगर लोगों को सूचित कर दिया जाए, तो जान-माल के नुकसान से बचा जा सकता है। यहां यह महत्वपूर्ण है कि आप भूकंप के केंद्र से कितनी दूर हैं, उसी हिसाब से आप तक चेतावनी को पहुंचाया जा सकता है। आप भूकंप के केंद्र से दूर हैं, तो फिर प्राइमरी वेव के बाद आपके पास कुछ सेकंड या मिनट भर का समय रहता है, जब आप बचाव कर सकते हैं।

प्राइमरी वेव के बाद मेट्रो परिचालन को तत्काल रोका जा सकता है। अन्य जोखिम भरी सेवाओं को रोका जा सकता है। ऐसे चेतावनी तंत्र का इस्तेमाल मैक्सिको, कैलिफोर्निया इत्यादि में किया जाता है। चेतावनी मिलते ही लोग तत्काल घर-भवन से बाहर आ जाते हैं। भारत में भी ऐसा चेतावनी तंत्र बनाने का समय आ गया है। जैसे हिमालय में भूकंप आए, तो बिहार में कम से कम तीस-चालीस सेकंड का समय बचाव के लिए मिल सकता है।

मिसाल के लिए, चीन में अभी जो भूकंप आया है, उसे बिहार में ज्यादा महसूस किया गया। अगर चीन अपने यहां चेतावनी तंत्र को पुख्ता करे और तत्काल भारत को सचेत कर दे, तो हमें बचाव में मदद मिल सकती है।(ये लेखक के अपने विचार हैं)

दिल्ली में सबकी प्रतिष्ठा दांव पर

सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी से आरंभ करते हैं। भारतीय राजनीति में किसी धूमकेतु की तरह प्रकट हुए अरविंद केजरीवाल अपने पहले ही चुनाव में मुख्यमंत्री की कुर्सी पर जा विराजे थे। वह सरकार उन्होंने उस कांग्रेस के सहयोग से गठित की थी, जिसके कथित भ्रष्टाचार के विरोध में उन्होंने लंबा आंदोलन किया था। सरकार बनाने वाले और सरकार बनवाने वाले, दोनों जानते थे कि बेर-केर के इस संग को लंबा नहीं खींचा जा सकता। नतीजतन, कुछ ही महीनों में मध्यावधि चुनाव हुए और इस बार आम आदमी पार्टी ने बहुमत की सरकार बनाई। अगला यानी तीसरा चुनाव भी उसने मजबूती से जीता। केजरीवाल लगातार चौथी बार हुकूमत कायम करने के इरादे से एक बार फिर मैदान में हैं।

(शशि शेखर)

आप दिल्ली के चुनाव को कैसे देखते हैं? केंद्र शासित राज्य होने के नाते क्या यह अधूरे हक-हुकूक की लड़ाई है? अगर ऐसा है, तो फिर इतना 'हाई वोल्टेज ड्रामा' क्यों? जवाब साफ है। भारतीय राजनीति ऋजु रेखाओं से उपजी कोई ज्यामितिक अवधारणा नहीं, बल्कि वक्र रेखाओं का अनंत अबूझमाड़ है। दिल्ली का विधानसभा चुनाव इस मायने में अनोखा है कि यह तीन राष्ट्रीय दलों के लिए नाक की लड़ाई बन गया है। कैसे?

सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी से आरंभ करते हैं। भारतीय राजनीति में किसी धूमकेतु की तरह प्रकट हुए अरविंद केजरीवाल अपने पहले ही चुनाव में मुख्यमंत्री की कुर्सी पर जा विराजे थे। वह सरकार उन्होंने उस कांग्रेस के सहयोग से गठित की थी, जिसके कथित भ्रष्टाचार के विरोध में उन्होंने लंबा आंदोलन किया था। सरकार बनाने वाले और सरकार बनवाने वाले, दोनों जानते थे कि बेर-केर के इस संग को लंबा नहीं खींचा जा सकता। नतीजतन, कुछ ही महीनों में मध्यावधि चुनाव हुए और इस बार आम आदमी पार्टी ने बहुमत की सरकार बनाई। अगला यानी तीसरा चुनाव भी उसने मजबूती से जीता। केजरीवाल लगातार चौथी बार हुकूमत कायम करने के इरादे से एक बार फिर मैदान में हैं।

आप के इन 12 सत्ता-वर्षों के दौरान यमुना में न जाने कितना जल बह चुका है। आम आदमी पार्टी वर्ष 2022 में गुजरात विधानसभा की चुनावी लड़ाई में 12.92 फीसदी वोट जुटाकर राष्ट्रीय पार्टी का गौरव हासिल कर चुकी है। पंजाब में उसकी स्पष्ट बहुमत की सरकार है। देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस को छोड़ दें, तो यह अकेली विपक्षी पार्टी है, जिसकी दो सूबों में सरकार है। ये तथ्य उन लोगों के लिए खुशनुमा हैं, जो गैर-कांग्रेस और गैर-भाजपा सरकार चाहते हैं। हालांकि, इनके साए में कुछ तल्ख हकीकतें भी कुलबुलाती हैं। मसलन, आप के अधिकांश संस्थापक सदस्य तितर-बितर हो चुके हैं। जो पार्टी भ्रष्टाचार के विरोध में जन्मी थी, उसके शीर्ष नेताओं को भ्रष्टाचार के आरोप में महीनों जेल में गुजारने पड़े, अब भाजपा और आप इसे अपने-अपने तरीके से भुनाने में जुटी हैं। यही वजह है कि जेल से छूटते ही उन्होंने अपनी सारी ताकत जन-संपर्क में लगा दी, ताकि वह 12 वर्षों की 'एंटी इनकंबेंसी' और भ्रष्टाचार के आरोपों से जन-अदालत में छुटकारा पा सकें। उनके लिए सिर्फ बहुमत का आंकड़ा पार कर लेना काफी नहीं है। उन्हें बड़ा अंतर भी चाहिए, ताकि उनके विधायकों को तोड़कर सरकार गिराने का खतरा न खड़ा हो सके। वह जानते हैं कि अगर वह हारते हैं, तो उनकी पार्टी पर अस्तित्व का संकट खड़ा हो सकता है।

आप अगर चौथी बार दिल्ली में सरकार बना लेती है, तो केजरीवाल को अपनी महत्वाकांक्षाओं को और धार देने का अवसर मिलेगा। उस समय वह 'इंडिया' ब्लॉक और कुछ अन्य राज्यों में पैर पसारना चाहेंगे। इंडिया ब्लॉक में अभी से दिक्कतें आ रही हैं। ममता बनर्जी खुल्लमखुल्ला कांग्रेस की अगुवाई का विरोध कर चुकी हैं। शरद पवार, अखिलेश यादव, अरविंद केजरीवाल गोलमोल शब्दों में उनका समर्थन भी कर चुके हैं। अगर दिल्ली में आम आदमी पार्टी सरकार बनाती है और कांग्रेस कुछ खास करने में नाकामयाब रहती है, तो यकीनन ममता बनर्जी के अभियान को बल मिलेगा। इसके साथ यह संदेश भी जाएगा कि राज्य-दर-राज्य चुनाव हारने वाली कांग्रेस अपनी सियासी जमीन तेजी से गंवा रही है। यह अनायास नहीं है कि दिल्ली के पिछले दो विधानसभा चुनावों में उसका एक भी प्रत्याशी जीत हासिल न कर सका। कांग्रेस के लिए यह चुनाव इस लिहाज से जीवन-मरण का मुद्दा बन जाता है।

क्या कांग्रेस इसके लिए तैयार है? शुरुआती संकेत तो कतई उम्मीद नहीं जगाते। अभी तक राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा या मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक भी जनसभा दिल्ली में नहीं की है। जब जनता पर पकड़ रखने वाले अरविंद केजरीवाल और उनके साथी महीनों से मोहल्ला-दर-मोहल्ला घूम रहे हों, तब यह आश्चर्यजनक नहीं तो और क्या है? क्या कांग्रेस अपनी लेट-लतीफी की कीमत यहां भी चुकाएगी? क्या उसकी भूमिका दिल्ली में वही होगी, जो आम आदमी पार्टी की गुजरात में थी? आम आदमी पार्टी ने जितने वोट वहां हासिल किए थे, कांग्रेस को लगभग उतने ही फीसदी वोटरों से वंचित रहना पड़ा था। माना जा रहा है कि अगर कांग्रेस यहां 10 फीसदी से ज्यादा मत हासिल कर लेती है, तो फिर उसके बिना सरकार बनाना संभव नहीं होगा, लेकिन यह होगा कैसे? पिछले विधानसभा चुनावों में उसके 66 में से 63 उम्मीदवारों ने जमानत गंवाई थी और पार्टी महज 4.26 फीसदी मत हासिल कर सकी थी। प्रादेशिक नेता और कार्यकर्ता भले कितनी भी कोशिश कर लें, परंतु जब तक आलाकमान पूरे जी-जान से नहीं जुटेगा, तब तक देश की सबसे पुरानी पार्टी को किसी चमत्कार की उम्मीद पालने का कोई हक नहीं है।

यही वह मुकाम है, जहां भारतीय जनता पार्टी की चर्चा जरूरी हो जाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद दिल्ली में ताबड़तोड़ रैलियां कर रहे हैं। चुनाव एलान से ठीक पहले उन्होंने न्यू अशोक नगर से मेरठ के लिए देश की पहली अंतर-नगरीय रैपिड ट्रेन का उद्घाटन किया। उससे पूर्व वह अरबों रुपये की योजनाओं का लोकार्पण कर चुके हैं। गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा खुद इन चुनावों पर सीधी नजर रखे हुए हैं। हरियाणा और महाराष्ट्र में केंद्रीय नेतृत्व ने बारीक से बारीक मुद्दों पर गहरी दृष्टि रखी थी। दिल्ली में उसका दोहराव देखने को मिल रहा है। भारतीय जनता पार्टी जानती है कि यदि उसने अरविंद केजरीवाल को उनके गढ़ में पटकनी दे दी, तो आने वाले दिनों में इसका छप्परफाड़ लाभ हासिल हो सकता है। भगवा दल का शीर्ष नेतृत्व नई दिल्ली को लेकर इसलिए भी संवेदनशील है, क्योंकि केजरीवाल की राजनीतिक शैली से सर्वाधिक नुकसान भाजपा का ही होता है। अगर भाजपा यहां सरकार बना लेती है, तो रोजमर्रा की इस चुनौती से भी मुक्ति पाई जा सकेगी।

इन राष्ट्रीय दलों के अलावा बहुजन समाज पार्टी, असदुद्दीन ओवैसी और चंद्रशेखर की पार्टियां भी चुनावी रण में दाखिल हो चुकी हैं। क्या वे कोई करिश्मा कर पाएंगी या उनकी स्थिति 'वोट कटवा' तक सीमित रहेगी? यहां एक और तथ्य गौरतलब है। पिछले लोकसभा चुनाव में अधिकतर मुस्लिमों ने कांग्रेस की अगुवाई वाले इंडिया ब्लॉक को वोट दिया था। मई 2024 में नतीजे आने के बाद विधानसभा के जितने भी चुनाव हुए हैं, आम तौर पर मुस्लिम मतदाता बहुतायत में कांग्रेस के साथ गए हैं। क्या अल्पसंख्यक इस बार कांग्रेस को चुनेंगे या वे फिर अपनी पुरानी पसंद अरविंद केजरीवाल के साथ जाना पसंद करेंगे? दिल्ली इस मायने में विलक्षण रही है कि पिछले कई चुनावों में उसने लोकसभा में नरेंद्र मोदी के नाम पर और विधानसभा में अरविंद केजरीवाल के आह्वान पर मतदान किया। अगर भारतीय जनता पार्टी इस सिलसिले को तोड़ पाती है, तो उसकी जीत बहुत बड़ी मानी जाएगी।

कोई आश्चर्य नहीं कि सभी पार्टियां चुनाव जीतने के लिए जी-जान एक कर रही हैं। यही वजह है कि हमें कटुता के नए चेहरे-मोहरे भी दिखाई पड़ रहे हैं। आने वाले हफ्तों में हमें भारतीय राजनीति की इस विकृति के कई नए उदाहरण देखने को मिल सकते हैं। इस जहरीले कोलाहल का सबसे दुखद पहलू यह है कि जनता के लिए जरूरी मुद्दे इसके बोझ तले दम तोड़ देते हैं।तय है, भारतीय लोकतंत्र को अभी बहुत कुछ सीखना है।

व्यापारियों के मान सम्मान की लड़ाई के लिए सड़कों पर उतरकर होगा आंदोलन

फूड एक्ट, बिजली विभाग व जीएसटी की कारगुजारियों पर सर्जिकल स्ट्राइक करेगी व्यापारी सेना

मेरठ 13 जनवरी। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष लोकेश अग्रवाल ने कहा कि पिछले 1 वर्ष से व्यापारी सेना के गठन की तैयारी चल रही हैं जिसको 15 अप्रैल से पूर्व पूर्ण कर लिया जाएगा इसमें सभी जनपदों के व्यापारी नायकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर होगा। उसके बाद ही यह व्यापारी सेना फूड एक्ट, बिजली विभाग व जीएसटी की कारगुजारियों के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक करेगी।

श्री अग्रवाल आज उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल उत्तर प्रदेश पंजीकृत के प्रांतीय सभा को संबोधित कर रहे थे। प्रदेश के 37 जिलों से आए 250 से अधिक प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए श्री लोकेश अग्रवाल ने कहा कि आज प्रदेश में व्यापार चलाने के लिए तीन बड़े विभाग बाधा बने हैं। जिनमें फूड विभाग, बिजली विभाग और जीएसटी विभाग हैं। उनके अधिकारी और कर्मचारी व्यापारी को आए दिन प्रकार अंतर से उत्पीड़न करने में जुटे हैं। बिजली विभाग द्वारा लगाई जा रहे प्रीपेड मीटर की कमियों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि बिजली विभाग द्वारा लगाए जा रहे प्रीपेड व स्मार्ट मीटर सामान्य मीटर के हिसाब से ज्यादा तेज चल रहे हैं जिससे व्यापारियों पर अनावश्यक भार बढ़ रहा है।

व्यापार मंडल मांग करता है प्रीपेड मीटर लगाए जाने से पूर्व व्यापारी व उद्यमियों की जमा सिक्योरिटी वापस की जाए और प्रीपेड मीटर का मैनुअल व गारंटी कार्ड मीटर लगाते समय उपलब्ध कराया जाए । साथ ही मीटर को लीगल मेट्रोलॉजी विभाग द्वारा प्रमाणित कराकर प्रमाण पत्र उपभोक्ता को उपलब्ध कराया जाए।

फूड विभाग के उत्पीड़न की चर्चा करते हुए श्री अग्रवाल ने कहा कि खाने–पीने के सभी सामान खेत से निकलकर आते हैं। खेती में डलने वाली रसायनिक खाद व कीटनाशक के मानक तय नहीं है। सिंचाई में इस्तेमाल आने वाले भूगर्भ जल में भी भारी केमिकल इंबैलेंस है। सभी खाद्य पदार्थ, फल–सब्जी,अनाज, दाल–मसाले, आदि उपज पैदा करते समय खेती में अंधाधुंध कीटनाशक व रासायनिक खादों के इस्तेमाल होने के कारण प्राकृतिक रूप से अनेकों केमिकल अनियमितता होने वाली उपज में उत्पन्न हो चुकी है, जिससे खाद पदार्थों के मानक बदल

प्रदेश अध्यक्ष लोकेश अग्रवाल का स्वागत करते हुए जिलाध्यक्ष प्रदीप गंगा व अन्य पदाधिकारीगण।

गए हैं तब कृषि उपज से खाद्य पदार्थ बनाने वाला व्यापारी किस प्रकार दोषी हो सकता है। यह सोचने का विषय है।

उन्होंने कहा कि जब तक खेत में इस्तेमाल की जाने वाली रासायनिक खाद व कीटनाशक के मानक तय ना किए जाएं जब तक व्यापारियों के खाद्य पदार्थों की सेंपलिंग बंद की जाए।

जीएसटी विभाग की चर्चा करते हुए श्री अग्रवाल ने कहा कि 40 लाख रुपए तक टर्नओवर वाले व्यापारी जीएसटी से बाहर है। 50000 व अधिक का माल ई वे बिल द्वारा आ रहा है। उन्होंने कहा कि बड़ी टर्नओवर वाले व्यापारियों को इनवॉइस कंपलसरी की जा रही है। फिर सर्वे छापे की आवश्यकता नहीं है। सर्व छापे सिर्फ भ्रष्टाचार व व्यापारी उत्पीड़न के लिए किए जा रहे हैं। जो तत्काल बंद किए जाने आवश्यक हैं तथा मानवीय भूल पर सचल दस्तो द्वारा की जारी जांच वह गाड़ियों को रोकने जुर्माना जमा करने की व्यवस्था तुरंत समाप्त होनी चाहिए।

आवास विकास परिषद व अन्य डेवलपमेंट अथॉरिटी द्वारा आवासीय क्षेत्र में कमर्शियल गतिविधि पाई जाने पर डिमोलिशन व सीलिंग आदि की कार्रवाई को नीति विरुद्ध बताते हुए श्री लोकेश अग्रवाल ने कहा कि आवास विकास परिषद व अन्य डेवलपमेंट अथॉरिटी द्वारा पर्याप्त मात्रा में आवासीय कॉलोनी में बैंक अस्पताल मार्केट आदि की व्यवस्था नहीं की गई है जनमानस की आवश्यकताओं के लिए वाणिज्य गतिविधि ा कर अपने परिवार का पालन पोषण व सरकार को राजस्व देकर व्यापारी सच्ची देशभक्ति की भूमिका निभा रहा है इसलिए आवास विकास पर अन्य डेवलपमेंट अथॉरिटी में चल रही वाणिज्य गतिविधियों को शासन द्वारा पॉलिसी बनाकर नियमित किया जाय।

प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष व अलीगढ़ जिलाध्यक्ष ने कहा कि व्यापारियों पर उत्पीड़न की कड़ी में अब एक और नया नाम जुड़ गया है वह है स्थानीय निकाय। उन्होंने कहा कि अधिकांश दुकानों में पानी के कनेक्शन की आवश्यता नहीं होती है, परन्तु स्थानीय निकाय द्वारा गृहकर के बिलों सभी से जलकर वसूला जा रहा है। जिन दुकानों पर पानी का कनेक्शन नहीं है वहाँ से जलकर की वसूली का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने कहा कि नगर निगम नगर पालिका व नगर पंचायत द्वारा ओटीएस स्कीम चलकर हाउस टैक्स पर लगाया गया ब्याज माफ किया जाए जिससे नगर निकायों को टैक्स प्राप्त हो जाएगा तथा आम जनमानस व व्यापारियों को भारी राहत मिलेगी ।

अधिवेशन में अलीगढ़ के पदाधिकारियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। मुख्य रूप से उपस्थित प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष व अलीगढ़ जिलाध्यक्ष प्रदीप गंगा,प्रांतीय महामंत्री विवेक गुप्ता, प्रदेश संगठन मंत्री हरिकिशन अग्रवाल, प्रदेश युवा वरिष्ठ मंत्री मुनेश पाल सिंह, राकेश लीडर, प्रदीप प्रदीप वर्मा, कुलदीप सिंह टीटू, हेमंत वालाजी, लोकेश वार्ष्णेय, मोहित माहौर, संजय आदि सैकड़ों व्यापारी उपस्थित थे।

बार के नवनिर्वाचित अध्यक्ष ठा0 अमर सिंह व महामंत्री संजय सारस्वत को शपथ दिलाते सिविल जज सौरभ मंडोलिया व मंचासीन अतिथिगण।

खैर में सिविल बार के अध्यक्ष व कमेटी को सिविल जज ने दिलाई शपथ

खैर। सिविल बार एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी का सोमवार को शपथग्रहण समारोह का आयोजन हुआ। समारोह का शुभारंभ सिविल जज सौरभ मंडलोई, सीओ वरुण कुमार सिंह, उपनिबंधक जहांगीर आलम व वरिष्ठ अधिवक्ता सत्येन्द्र कुमार शर्मा, नायब तहसीलदार अजेंद्र, शिशुपाल शर्मा, शिवनारायण शर्मा ने मां सरस्वती के छाया चित्र पर दीप प्रज्वलित व माल्यार्पण कर किया। सिविल जज सौरभ मंडलाई ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष ठा0 अमर सिह जादौन, महामंत्री संजय सारस्वत व अन्य कार्यकारिणी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इससे पूर्व अधिवक्ताओं ने सिविल जज, नायब तहसीलदार अजेन्द्र तौमर, एपीओ आशीष कुमार, एल्डर्स कमेटी के चेयरमैन शिशुपाल शर्मा, निवर्तमान अध्यक्ष शिवनरायन शर्मा, रघुकुलतिलक गौड, पूर्व अध्यक्ष बलवीर सिंह आदि को पटका पहनाकर व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन मदन मोहन गौतम ने किया। शपथ ग्रहण कार्यक्रम से पूर्व राष्ट्रीय हास्य कवि मणि मधुकर मूसल अण्डला वाले व बलवीर सिंह के द्वारा हास्य कविताओं के द्वारा समां बांधा गया। इस मौके पर वरिष्ठ अधिवक्ता सत्येन्द्र शर्मा, बलवीर सिंह, राजपाल सिंह मालान, प्रेमपाल शर्मा,रामगोपाल शर्मा, विजयपाल, अशोक सिंघल, रघुनाथ प्रसाद शर्मा, भगवती पाली, रामकुमार गौड, ललित मिश्रा, चन्द्रशेखर सारस्वत, नरेन्द्र सिंह, सिद्वार्थ कुमार, मानवेन्द्र प्रताप सिंह, हरेन्द्र चौधरी, अनूप गिरि गोस्वामी, नवेद खां, चन्द्रभान सिंह, विजयपाल वर्मा, विपिन कुमार, मुकेश, भगवती पाली जी, अनिल पंडित, अमरीश कुमार, मानवेंद्र प्रताप, इंदल चौधरी, सनी बौद्ध, जिला पंचायत सदस्य डॉ. महेश जादौन आदि अनेकों अधिवक्ता मौजूद रहे।

निस्वार्थ सेवा संस्थान ने किया रोटी बैंक में भजन संध्या का आयोजन

हाथरस। (दैनिक राजपथ) निस्वार्थ सेवा संस्थान ने रविवार को रोटी बैंक में भव्य भजन संध्या का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के अध्यक्ष श्री सुनील अग्रवाल ने दीप प्रज्वलन और श्रीकृष्ण जी की प्रतिमा पर पुष्पवर्षा करके किया। भजन संध्या में भक्तिमय भजनों ने उपस्थित सभी श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। भजन गायकों ने भगवान श्रीकृष्ण के भजनों को अपनी मधुर आवाज़ में प्रस्तुत किया, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर जरूरतमंदों के लिए भोजन और चाय की व्यवस्था की गई। रोटी बैंक के माध्यम से गरीब और बेसहारा लोगों को भोजन परोसा गया, जो संस्था निरंतर रूप से करीब ५०० दिनों से अधिक से करती आ रही है। अध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने कहा, "इस प्रकार के आयोजन का उद्देश्य समाज में सेवा और भक्ति का संदेश फैलाना है। हम सबको अपने सामर्थ्य के अनुसार जरूरतमंदों की मदद करनी चाहिए।"स्थानीय लोगों ने भी संस्थान के इस प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा कि निस्वार्थ सेवा संस्थान का यह कदम समाज में एकता और भाईचारे को बढ़ावा देता है। कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण के साथ हुआ जिसमे अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, सचिव नीरज गोयल, कोषाध्यक्ष सीए प्रतीक अग्रवाल, सह सचिव तरूण राघव, सह सचिव निश्कर्ष गर्ग , वरुण अग्रवाल, लोकेश सिंघल, रंगेश शर्मा, संदीप गोयल , रितिक बंसल ,अवधेश कुमार बंटी, दीपक अग्रवाल, विशाल सोनी, मनीष कुमार मित्तल, सौरभ शर्मा, आलोक अग्रवाल, मुकुंद मित्तल, स्वदेश वार्ष्णेय, आशीष अग्रवाल एवं मशहूर गायक अंकुर अग्रवाल , मनोहर दास आदि उपस्थित रहे ।

मौलाना आजाद लाइब्रेरी में अली दिवस के अवसर पर 14 जनवरी को पांडुलिपि और पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन

अलीगढ़, 13 जनवरी। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की मौलाना आजाद लाइब्रेरी हजरत अली इब्ने अबू तालिब की जयंती के अवसर पर दो दिवसीय पांडुलिपि और पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन कर रही है। प्रदर्शनी का उद्घाटन 14 जनवरी को सुबह 10:00 बजे लाइब्रेरी के संग्रहालय और पांडुलिपि प्रभाग में एएमयू की कुलपति प्रोफेसर नईमा खातून द्वारा किया जाएगा।

यूनिवर्सिटी लाइब्रेरियन प्रोफेसर निशात फातिमा ने बताया कि प्रदर्शनी में 50 से अधिक दुर्लभ पांडुलिपियों और ऐतिहासिक कलाकृतियों को प्रदर्शित किया जाएगा, जिसमें हजरत अली द्वारा हस्तलिखित माना जाने वाला पवित्र कुरान और हजरत अली के भाषण और सूत्र के संग्रह नहजुल बलागा की 900 साल पुरानी प्रति भी शामिल है। अन्य महत्वपूर्ण प्रदर्शनों में खट्टे–नखुन (नाखून लिपि) में लिखी गई कासिदा–ए–हाफिज और मुमताज महल के पिता आसिफ खान द्वारा लिखित एक कसिदा भी शामिल हैं। कई भाषाओं में पवित्र कुरान के विविध ा संस्करणों के साथ–साथ हजरत अली के जीवन और गुणों का विवरण देने वाली किताबें भी प्रदर्शित की जाएंगी। प्रदर्शनी आगंतुकों को सांस्कृतिक विरासत, विद्वतापूर्ण उपलब्धियों और हजरत अली की गहन शिक्षाओं से परिचित होने का एक अनूठा अवसर प्रदान करती है। प्रदर्शनी 14 और 15 जनवरी को सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक आमजन के लिए खुली रहेगी।

एएमयू कुलपति को जेएन मेडिकल कॉलेज के पूर्व छात्रों की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट किया गया

अलीगढ़, 13 जनवरी। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर नईमा खातून को दुनिया भर के लगभग 200 पूर्व छात्रों की ओर से ग्लोबल एलुमनाई मीट सह सीएमई के आयोजन सचिव प्रोफेसर हम्माद उस्मानी ने एक स्मृति चिन्ह भेंट किया।

प्रो. उस्मानी ने यह स्मृति चिन्ह जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज (जेएनएमसी) के एनेस्थिसियोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित उक्त कार्यक्रम के हिस्से के रूप में कुलपति कार्यालय में भेंट किया।

इस कार्यक्रम में दुनिया के विभिन्न हिस्सों का प्रतिनिधित्व करने वाले पूर्व छात्रों ने एएमयू में अपने समय की यादें साझा कीं और अपने पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन को आकार देने में विश्वविद्यालय की भूमिका के लिए आभार व्यक्त किया। एनेस्थिसियोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए प्रोफेसर नईमा खातून ने आयोजन में उनके समर्पण के लिए टीम की सराहना की। उन्होंने पूर्व छात्रों के साथ मजबूत संबंध बनाए रखने के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि अपने पूर्व छात्रों के साथ संबंधों को बढ़ावा देकर, हम अपनी शैक्षणिक स्थिति को बढ़ाने के अवसर पैदा करते हैं और पूर्व छात्रों को उनके अल्मा मेटर के साथ फिर से जुड़ने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं।

प्रो. मोहम्मद हबीब रजा मेडिसिन संकाय के नए डीन एवं जेएनएमसी के प्रिन्सिपल एवं सीएमएस नियुक्त

अलीगढ़, 13 जनवरी। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के सर्जरी विभाग के प्रोफेसर मोहम्मद हबीब रजा मेडिसिन संकाय के नए डीन होंगे। वह 15 जनवरी को डीन पद का कार्यभार ग्रहण करेंगे। इसके अतिरिक्त वह जेएन मेडिकल कालिज के प्राचार्य एवं सीएमएस का कार्य भी देखेंगे। प्रो. रजा का कार्यकाल 3 नवम्बर 2025 तक होगा। प्रो. हबीब रजा ने 1975 में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया। उन्हें 1977 में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की प्री–मेडिकल परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए विश्वविद्यालय पदक से सम्मानित किया गया। उन्होंने 1982 में जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से एमबीबीएस किया। 1986 में पोस्ट–ग्रेजुएशन (एम.एस. जनरल सर्जरी)। उन्हें 2019 में सर्जरी में पीएचडी से सम्मानित किया गया।

वह 1988 में जेएन मेडिकल कालिज में लेक्चरर के रूप में शामिल हुए। वह 2012 से 2015 तक अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के सर्जरी विभाग के अध्यक्ष भी रहे। उन्होंने विदेशों में भी शिक्षण व क्लीनिकल कार्य किया। उनके पास भारत और विदेशों में चौंतीस वर्षों से अधिक का शिक्षण अनुभव है। वह देश और विदेश के कई विश्वविद्यालयों के परीक्षकों के पैनल में भी शामिल हैं।

उनके अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 72 शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। उन्होंने पाठ्यपुस्तकों में 05 अध्याय लिखे हैं और अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों में 39 पेपर प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने संकाय व प्रतिनिधि के रूप में 104 अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया है। उन्होंने एमएस और एमडी डिग्री प्रदान करने के लिए 29 थीसिस का पर्यवेक्षण किया है। उन्हें 2007 में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में यंग आउटस्टैंडिंग सर्जिकल टीचर अवार्ड प्रदान किया गया था। उन्हें 2019 में यूपी एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया द्वारा प्रख्यात वरिष्ठ सर्जिकल टीचर अवार्ड और त्रिची 2024, तमिलनाडु में अंतर्राष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता पुरस्कार, आईएसएसएन अवार्ड्स से भी सम्मानित किया जा चुका है।

प्रो. रजा 2004 में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में लेप्रोस्कोपिक सर्जरी और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल एंडोस्कोपी इकाइयों की स्थापना में अग्रणी रहे।वह एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया (एएसआई), सोसाइटी ऑफ एंडो लेप्रोस्कोपिक सर्जन्स ऑफ इंडिया (एसईएलएसआई) जैसे विभिन्न वैज्ञानिक निकायों और संघों के सदस्य भी हैं। वह विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड के सदस्य भी हैं।

धुलाई के सर्वोत्तम साबुन
ताज स्पेशल नं.55, तूफान नं. 1 प्रभा
स्वदेशी सोप फैक्ट्री, अलीगढ़

सी0एम0 डैशबोर्ड के अंर्तगत विकास कार्यों के प्रगति की डीएम ने की समीक्षा

हाथरस। सी0एम0 डैशबोर्ड के अंर्तगत विकास कार्यों के प्रगति की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में करते हुए जिलाधिकारी राहुल पांडेय ने संबंधित अधिकारियों को रैंकिंग में अपेक्षित सुधार लाने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी द्वारा समीक्षा करने पर पाया गया कि दशमोत्तर छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति योजना, पूर्वदशम छात्रवृत्ति (कक्षा 9–10), भवन निर्माण, आई0सी0डी0एस0 (पोषण अभियान), अनुसूचित जाति दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना, अनुसूचित जाति पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, सामान्य वर्ग दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना, डे–एन0आर0एल0एम0 क्रेडिट लिंकेज, जल जीवन मिशन (हर घर जल), फैमिली आई0डी0, स्वच्छ भारत मिशन, राज्य योजना, निपुण भारत मिशन, मध्यान्ह भोजन, नई सड़कों का निर्माण/अनुरक्षण कार्य तथा ईको टूरिज्म आदि की प्रगति संतोषजनक न होने पर संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करते हुए कार्यवाही करने के निर्देश दिए। सी0एम0 डैशबोर्ड पर रैंकिंग में सुधार लाने हेतु उन्होंने सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रतिदिन मॉनीटरिंग करने तथा विभागीय योजनाओं/इंडीकेटर्स में शत–प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही उन्होंने सभी अधिकारियों को कार्यों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध पूर्ण कराने तथा विभागीय लक्ष्यों के सापेक्ष कार्ययोजना बनाकर शत–प्रतिशत प्रगति सुनश्चित करने के निर्देश दिये। संबंधित विभागीय अधिकारियों को कराये जा रहे कार्यों का ससमय भुगतान करने के निर्देश दिए। जिससे कि जनपद की रैंक खराब न हो। छात्रवृत्ति संबंधी विद्यालय स्तर पर लंबित आवेदनों को तत्काल अग्रसारित कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा की जिस कारण रैंक खराब हुई उनका प्राथमिकता से ध्यान देकर सुधार किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में जनपद की रैंकिंग खराब न हो यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को आगाह करते हुए कहा कि वे दायित्व के साथ कार्य करके लक्ष्यों को पूरा करें, ताकि रैंकिंग में अपेक्षित सुधार आ सके। वहीं उन्होंने कहा कि यदि पुनः समीक्षा के दौरान जिन विभागीय अधिकारियों की रैंकिंग खराब पायी गई, तो निश्चित ही उनके विरूद्ध जवाबदेही तय करते हुए कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। जिसके लिए वे स्वयं उत्तरदायी होंगे। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी, प्रभागीय वनाधिकारी, जिला विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक, मुख्य चिकित्साधिकारी, उप निदेशक कृषि, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, जिला विद्यालय निरीक्षक, एलडीएम, जिला कृषि अधिकारी, उपायुक्त उद्योग, श्रम प्रवर्तन अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी,मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, अधीक्षण अभियंता विद्युत, अधीक्षण अभियंता सिंचाई, अधिशासी अधिकारी जल निगम तथा अन्य विभागीय अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

सट्टे की खाई–बाडी करते हुये 04 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

हाथरस। पुलिस अधीक्षक हाथरस श्री चिरंजीव नाथ सिन्हा के आदेशानुसार जुआ/सट्टे की रोकथाम हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक हाथरस के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी नगर के निकट पर्यवेक्षण में थाना सासनी पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर कार्यवाही करते हुए 04 अभियुक्तों को हार जीत की बाजी लगाकर सट्टा खेलते समय गिरतार किया गया है। जिनके कब्जे से 1,350/–रूपये नगद व पर्चा सट्टा बरामद हुए है। अभियुक्त की गिरतारी एवं बरामदगी के सम्बन्ध में थाना सासनी पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है ।

बच्चियों को खोजकर सकुशल परिजनों के सुपुर्द किया, परिजनों ने हाथरस पुलिस का किया धन्यवाद

हाथरस।थाना कोतवाली नगर पर बच्चियो के परिजनों द्वारा सूचना दी कि उनकी बच्चियो घर के पास से गुम हो गया है। जिनकी उम्र करीब 13–13 वर्ष है। आस–पास के स्थानों पर काफी तलाश करने के उपरान्त भी नही मिले है । पुलिस अधीक्षक हाथरस श्री चिरंजीव नाथ सिन्हा द्वारा लापता/गुमशुदा बच्चियों को सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द करने हेतु प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली नगर को निर्देशित किया गया । जिसके क्रम में थाना कोतवाली नगर पुलिस द्वारा बच्चियों की तलाश हेतु टीमें गठित कर उसके फोटो को लेकर आसपास के बाजार/मोहल्लों में ले जाकर लोगों से उसके बारे में पूछताछ की गई । इसी क्रम में बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, बाजार व अन्य स्थानों पर बच्चियों की तलाश हेतु अथक प्रयास किये गये ।

अलीगढ़ के आगरा रोड स्थित शेखर सर्राफ मेमोरियल हॉस्पिटल में 55 वर्षीय मरीज को नया जीवन प्राप्त हुआ

अलीगढ़ 13 जनवरी (राजपथ)। अलीगढ़ के आगरा रोड स्थित शेखर सर्राफ शेखर सर्राफ मेमोरियल हॉस्पिटल में 55 वर्षीय मरीज को नया जीवन प्राप्त हुआ मरीज अत्याधिक हार्ट ब्लॉकेज और दिल की धड़कन कम होने की गंभीर समस्याओं से काफी पीड़ित होने के वजह से मरीज वेंटिलेटर पर था उसने अलीगढ़ के कई बड़े हॉस्पिटलों में दिखाया परंतु मरीज को अत्यधिक सी०पी०आर देने के कारण उसको हालत और गंभीर हो गई साथ ही आराम न मिलने के कारण वो इधर उधर भटकता रहा उसको फिर आगरा रोड स्थित शेखर सर्राफ मेमोरियल में इमरजेंसी में लाया गया जहां हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ० अनिरुद्ध प्रताप सिंह और हॉस्पिटल की कार्डिक टीम ने गंभीरता से लेते हुए उसे ऑपरेट किया मरीज को पहले टेंपरेरी पेसमेकर डाला गया मरीज की जान खतरे में कम होने पर उसको परमानेंट पेसमेकर डाला गया जिसके बाद मरीज स्वस्थ हुआ तत्पश्चात मरीज की जान पूर्ण रूप से खतरे से बाहर आने पर उसको वेंटिलेटर से हटाया गया मरीज अब पूर्ण रूप से अब स्वस्थ है मरीज का यह पूरा इलाज आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पूरी तरह से निशुल्क किया गया, जिससे मरीज को किसी भी प्रकार का आर्थिक बोझ नहीं उठाना पड़ा।

शेखर सर्राफ मेमोरियल हॉस्पिटल के प्रबंधक सुमित सर्राफ ने मरीज के स्वस्थ होने पर स्वतः जाकर उसका हाल चाल जाना और कहा की शेखर सर्राफ मेमोरियल हॉस्पिटल अपने उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाओं के लिए प्रसिद्ध है और मरीजों की बेहतरीन देखभाल के प्रति प्रतिबद्ध है हमारे यहां हृदय से सम्बंधित एंजियोप्लास्टी, एंजियोग्राफी, पेसमेकर, सी०आर०टी डी , आर०एफ०ए, ई०पी स्टडी, बी०एम०बी, ईको, ई०सी०जी साहित एक बड़ी नवीन औरअत्याधुनिक कैथलैब सहित सभी सुविधाएं उपलब्ध ा हैं जिसमें हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ० अनिरुद्ध प्रताप सिंह द्वारा मरीजों का 24 घंटे उपचार प्रदान किया जाता है। संपर्क करें शेखर सर्राफ मेमोरियल हॉस्पिटल, आगरा रोड, अलीगढ़ (मोबा न० 8941095341, 57)

आर.पी.एम. कॉलेज हाथरस के छात्र–छात्राओं में संवेदनशीलता विकसित करने व तनाव प्रबंधन सीखने के लिये प्रशिक्षण तथा पुलिस की कार्यशैली की जानकारी दी

हाथरस। पुलिस अधीक्षक हाथरस चिरंजीव नाथ सिन्हा द्वारा जनपद में स्टूडेंट्स पुलिस एक्सपीरियंशल लर्निंग प्रोग्राम के द्वितीय चरण का शुभारम्भ करते हुए आरपीएम कॉलेज से आये स्नातक स्तर के छात्र–छात्राओं को पुलिस कार्यालय स्थित मीटिंग हॉल में पुलिस और प्रशासनिक कार्यों के प्रति जागरूक किया गया तथा पुलिस कार्यालय स्थित शाखाओं एवं साइबर थाने का भ्रमण कराकर पुलिस द्वारा किये जाने वाले कार्यों को दिखाया गया । इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक हाथरस श्री अशोक कुमार (नोडल अधिकारी ैच्स्), क्षेत्राधिकारी नगर श्री योगेन्द्र कृष्ण नारायण, निरीक्षक श्री मुकेश बाबू (प्रभारी ैच्स्), प्रभारी निरीक्षक साइबर थाना श्री केशव दत्त शर्मा एवं त्व्ड कॉलेज से आये छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे । कार्यक्रम के दौरान उपस्थित छात्र–छात्राओं को अनुभवात्मक सिखलाई के अन्तर्गत कानून और आपराधिक प्रक्रिया, आपराधिक अनुसंधान, यातायात नियंत्रण, साइबर क्राइम, मानव तस्करी, कानून व्यवस्था आदि विषयों पर जानकारी देते हुए पुलिस के प्रति नेतृत्व, अनुशासन, सामाजिक जिम्मेदारी और नैतिक मूल्यों को विकसित करने के लिए जागरूक किया गया । कार्यक्रम के दौरान प्रभारी ैच्स् द्वारा पुलिस अधिकारियों के बारे में एवं उनकी वर्दी व्यवस्था के बारे में जानकारी दी गई । उपस्थित छात्र–छात्राओं को सूक्ष्म जलपान कराकर पुलिस कार्यालय की विभिन्न शाखाओं का भ्रमण कराया गया एवं शाखाओं में किये जा कार्यों के बारे में जानकारी दी गई । इसी क्रम में प्रभारी निरीक्षक साइबर थाना द्वारा साइबर अपराधों एवं उनसे बचने के तरीकों के बारे में बताया गया । साथ ही बताया गया कि विभिन्न प्रकार की फ्राड स्कीम, .च्झ फाइल फ्राड, डिजिटल अरेस्ट, अपरिचित नम्बर से कॉल कर होने वाले फ्राड, एआई के द्वारा फोटो वीडियो एडिट कर होने वाले फ्राड आदि के बारे में बताया गया एवं मोबाइल गुम होने, महिला सम्बन्धी, आपके साथ होने वाले किसी भी प्रकार के फ्राड की आनलाईन शिकायत कैसे की जा सकती है के बारे में बताते हुए साइबर सम्बन्धी शिकायतो हेतु सरकार द्वारा जारी हेल्पलाईन नम्बर 1930 एवं पुलिस की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी गई ।

बाबर आजम की चमकी किस्मत, इस बल्ले से खेलने पर मिलेंगे 7 करोड़ रुपए

लाहौर, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का 19 फरवरी से आगाज होना है. इससे ठीक पहले पाकिस्तान के दिग्गज खिलाड़ी बाबर आजम ने एक डील साइन की है. रिपोर्ट के मुताबिक बाबर को एक कंपनी के बल्ले से खेलने पर करीब 7 करोड़ रुपए मिलेंगे. बाबर ने चैंपियंस ट्रॉफी से ठीक पहले यह डील साइन की है. इस बार चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन पाकिस्तान और यूएई में होना है. बाबर के साथ-साथ पाक टीम ने भी इसके लिए कमर कस ली है.

पाकिस्तान की एक न्यूज वेबसाइट प्रोपाकिस्तान की खबर के मुताबिक बाबर आजम ने सीए स्पोर्ट्स के साथ करार किया है. वे अब इस कंपनी के लगे स्टीकर वाले बल्ले से खेलते हुए नजर आएंगे. बाबर को इसके लिए कंपनी सालाना करीब 7 करोड़ रुपए देगी. बाबर आजम के बैट को इससे पहले इंग्लैंड की एक कंपनी स्पॉन्सर करती थी. लेकिन उसका करार खत्म हो गया है. लिहाजा अब बाबर सीए स्पोर्ट्स के साथ जुड़ गए हैं.

अभिषेक शर्मा के साथ एयरपोर्ट पर हुई बदतमीजी, छूट गई फ्लाइट

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी अभिषेक शर्मा के साथ दिल्ली एयरपोर्ट पर बदसलूकी हो गई. उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर करके दावा किया है कि एयरलाइन के स्टाफ ने गलत व्यवहार किया है. अभिषेक छुट्टी मनाने के लिए जाने वाले थे. लेकिन एयरपोर्ट पर हुई दिक्कत के बाद उनकी फ्लाइट छूट गई. इसके साथ ही उनकी कोई मदद भी नहीं की गई. अभिषेक को इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए चुना गया है. वे भारत-इंग्लैंड सीरीज में खेलते हुए नजर आएंगे.

अभिषेक ने इंस्टाग्राम पर सोमवार सुबह स्टोरी शेयर की. उन्होंने लिखा, दिल्ली एयरपोर्ट पर इंडिगो के साथ मेरा बहुत ही खराब अनुभव रहा. स्टाफ का व्यवहार बर्दाश्त करने जैसा नहीं था. मैं सही काउंटर पर टाइम पर पहुंच गया था ।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः

मिशेलसन ने सितसिपास को शुरुआती दौर में बाहर कर किया बड़ा उलटफेर

मेलबर्न, एजेंसी। एलेक्स मिशेलसन ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 के पहले दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए बड़ा उलटफेर किया। उन्होंने पूर्व फाइनलिस्ट स्टेफानोस सितसिपास को 7-5, 3-6, 6-2, 6-4 से हराकर टूर्नामेंट की पहली बड़ी जीत दर्ज की। 20 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी ने सटीक खेल दिखाते हुए अपने करियर की पहली टॉप-20 जीत हासिल की और ग्रैंड स्लैम के बड़े मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। मिशेलसन ने आक्रामक और रचनात्मक खेल का प्रदर्शन किया, जिससे सितसिपास पूरे मैच के दौरान दबाव में रहे। उनके शानदार ग्राउंड स्ट्रोक और रिस्क लेने की रणनीति ने सितसिपास को उनकी पहली सर्व पर ही लय बनाने का मौका नहीं दिया। मिशेलसन के डाउन-द-लाइन बैकहैंड और फोरहैंड विनर्स ने उनको मुकाबले में बहुत आगे कर दिया। उन्होंने कुल 46 विनर्स मारे, जिसमें 8 ऐस शामिल थे।

मैच के बाद मिशेलसन ने कहा, मैंने खुद को शांत रखने की कोशिश की। मुझे पता था कि यह एक कठिन मुकाबला होगा, और मैं बहुत खुश हूं कि मैं जीत सका। यह सब मानसिकता पर निर्भर करता है। मैंने सही मानसिकता के साथ खेला और अपनी रणनीति को अच्छे से अमल में लाया।

हालांकि, चौथे सेट में खेल में थोड़ा ड्रामा देखने को मिला। 4-2 से आगे होने के बावजूद, मिशेलसन ने तीन लगातार डबल फॉल्ट किए, जिससे उनकी सर्विस टूट गई और सितसिपास ने सेट को 5-5 पर बराबर कर लिया। लेकिन सितसिपास ने भी एक अहम मौके पर डबल फॉल्ट किया, जिससे मिशेलसन को ब्रेक प्वाइंट मिला। मिशेलसन ने इस मौके का फायदा उठाते हुए सेट और मैच अपने नाम किया और दूसरे दौर में जगह बनाई।

इस जीत के साथ मिशेलसन एटीपी लाइव रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ 41वें स्थान पर पहुंच गए। यह सितसिपास के खिलाफ उनकी दूसरी जीत थी। इससे पहले उन्होंने पिछले साल टोक्यो में भी सितसिपास को हराया था। लगातार बड़े खिलाड़ियों को हराने के उनके प्रदर्शन से उनकी क्षमता का अंदाजा लगाया जा सकता है। मिशेलसन अब दूसरे दौर में स्पेनिश क्वालिफायर मार्टिन लैंडालूस और ऑस्ट्रेलियन वाइल्ड कार्ड जेम्स मैककैब के बीच विजेता से भिड़ेंगे।

दूसरी ओर, सितसिपास के लिए यह हार एक और बड़ी निराशा साबित हुई। तीन बार के ऑस्ट्रेलियन ओपन सेमीफाइनलिस्ट और पूर्व फाइनलिस्ट अब लगातार तीन ग्रैंड स्लैम (विंबलडन, यूएस ओपन और अब ऑस्ट्रेलियन ओपन) के दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाए हैं। कभी ग्रैंड स्लैम के अंतिम चरणों में नियमित रूप से पहुंचने वाले सितसिपास अब अपनी फॉर्म और भविष्य को लेकर सवालों से घिर गए हैं।

नेशनल बॉक्सिंग चैम्पियनशिपः

जामवाल का राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में दबदबा कायम, शिव थापा को हराया

नईदिल्ली, एजेंसी। पूर्व युवा विश्व चैंपियन सचिन सिवाच ने हरियाणा के गौरीश पुजानी को लाइटवेट (55 से 60 किलो) वर्ग में हराया। वहीं, लक्ष्य चाहर ने मिजोरम के मालसावम्त्लुआंगा को लाइट हैवीवेट (75 से 80 किलो) में मात दी। अविनाश जामवार का राष्ट्रीय पुरुष मुक्केबाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन जारी है और उन्होंने सेमीफाइनल में मौजूदा वेल्टरवेट चैंपियन शिव थापा को हरा दिया है। हिमाचल प्रदेश के जामवाल ने इससे पहले 2022 युवा विश्व चैंपियन वंशज कुमार को हराया था। सेना खेल नियंत्रण बोर्ड (एसएससीबी) ने अपना दबदबा बरकरार रखा और उसके 10 में से आठ मुक्केबाज फाइनल में पहुंच गए। पूर्व युवा विश्व चैंपियन सचिन सिवाच ने हरियाणा के गौरीश पुजानी को लाइटवेट (55 से 60 किलो) वर्ग में हराया। वहीं, लक्ष्य चाहर ने मिजोरम के मालसावम्त्लुआंगा को लाइट हैवीवेट (75 से 80 किलो) में मात दी। सुपर हैवीवेट (90 और प्लस 90 किलो) वर्ग में उत्तराखंड के नरेंदर ने एसएससीबी के गौरव चौहान को हराया और अब उनका सामना हरियाणा के अंशुल गिल से होगा।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया की 15 सदस्यीय शुरुआती टीम घोषित

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने 2025 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए 15 खिलाड़ियों की शुरुआती टीम का ऐलान किया है। यह टूर्नामेंट 19 फरवरी से पाकिस्तान और यूएई में शुरू होगा। ऑलराउंडर मैट शॉर्ट और आरोन हार्डी को टीम में शामिल किया गया है। शॉर्ट ने बिग बैश लीग (बीबीएल) में शानदार प्रदर्शन किया है, जबकि हार्डी एक बढ़िया तेज गेंदबाज ऑलराउंडर हैं। डेविड वॉर्नर के संन्यास के बाद, मैट शॉर्ट ने सलामी बल्लेबाज के रूप में अपनी जगह पक्की कर ली है। जोश हेजलवुड और कप्तान पैट कमिंस, जो श्रीलंका दौरे के लिए टीम में नहीं थे, भी इस बार टीम में हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी ने भी अपनी जगह बरकरार रखी है।

नाथन एलिस, जिन्होंने होबार्ट हरिकेंस

को बीबीएल 14 के फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई, भी टीम में शामिल हैं। हालांकि, जैक फ्रेजर-मैकगर्क को खराब फॉर्म के चलते बाहर कर दिया गया है। उनकी जगह शॉर्ट को ट्रेविस हेड के साथ सलामी बल्लेबाज के रूप में चुना गया है। कप्तान पैट कमिंस इस टूर्नामेंट में टीम का नेतृत्व करेंगे, लेकिन उनके टखने की चोट के चलते खेलना अभी तय नहीं है। कैमरन ग्रीन (पीठ की सर्जरी) और सीन एबॉट भी टीम का हिस्सा नहीं हैं। चयनकर्ताओं ने टीम में ज्यादा ऑलराउंडरों को शामिल किया है, जिनमें मिच मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस और स्पिन ऑलराउंडर ट्रेविस हेड और मार्नस लाबुशेन शामिल हैं। एडम जाम्पा मुख्य स्पिनर होंगे, जबकि तेज गेंदबाजी आक्रमण में कमिंस, हेजलवुड और नाथन एलिस होंगे।

चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा, यह एक संतुलित और अनुभवी टीम है, जिसमें पिछले वनडे वर्ल्ड कप और अन्य बड़ी सीरीज का अनुभव है। यह टीम हर परिस्थिति में अच्छा प्रदर्शन करने में सक्षम है। ऑस्ट्रेलिया को ग्रुप बी में रखा गया है, जहां उसके मुकाबले अफगानिस्तान, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका से होंगे। ग्रुप के सभी मैच पाकिस्तान के लाहौर और रावलपिंडी में खेले जाएंगे। सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले के लिए लाहौर या दुबई को चुना गया है। फाइनल 9 मार्च को होगा।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया की प्रारंभिक टीमः

पैट कमिंस (कप्तान), एलेक्स कैरी, नाथन एलिस, आरोन हार्डी, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, मार्नस लाबुशेन, मिशेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, एडम जम्पा

शेफाली वर्मा ने ठोका तूफानी शतक

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम से बाहर चल रही शेफाली वर्मा का बल्ला रुकने का नाम नहीं ले रहा, उनके बल्ले से रन नॉन-स्टॉप बरस रहे हैं. सीनियर महिलाओं के वनडे चैलेंजर ट्रॉफी में टीम ष्ठ के खिलाफ तो उन्होंने कहर ही मचा दिया. टीम् से खेलते हुए शेफाली ने इस मुकाबले में शानदार शतक जड़ा. शेफाली ने टूर्नामेंट में अपने पहले शतक की स्क्रिप्ट 60 गेंदों पर लिखी. ये इस टूर्नामेंट में उनका लगातार चौथा फिफ्टी प्लस स्कोर है. इससे पहले वो दो बार नाइन्टीज में आकर आउट हो गईं थी और शतक से चूक गईं थीं ।

चयनकर्ताओं का फैसला गलत नहीं

श्रीलंका टेस्ट सीरीज से बाहर होने पर बोले मैक्सवेल

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के हरफनमौला खिलाड़ी ग्लेन मैक्सवेल ने कहा कि अगर वह चयनकर्ता होते तो वही फैसला लेते, जो ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ताओं ने लिया। मैक्सवेल को श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया।

मैक्सवेल ने आखिरी बार 2017 में टेस्ट खेला था। अब वह इस दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया की 16 सदस्यीय टीम का हिस्सा नहीं हैं। उनकी जगह पहली बार चुने गए ऑलराउंडर कूपर कॉनॉली को टीम में लिया गया है। मैक्सवेल ने इसे पूरी तरह समझने योग्य बताया।

मैक्सवेल के हवाले से कहा, यह बस चयन का मामला है। हमेशा कुछ खिलाड़ी होते हैं जो टीम में जगह चाहते हैं। मैंने कभी नहीं छुपाया कि मैं इस दौरे पर जाना चाहता था, लेकिन मैं उनकी वजहों को पूरी तरह समझ सकता हूं। ऑस्ट्रेलिया पहले ही वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंच चुका है। उनके पास श्रीलंका में दो टेस्ट हैं और अगले कुछ सालों में उपमहाद्वीप के और भी दौरे होंगे। ऐसे में नए खिलाड़ियों को इन परिस्थितियों में खेलने का मौका देना जरूरी है। उन्होंने कूपर

कॉनॉली को लेकर कहा, किसी युवा खिलाड़ी के लिए यह अनुभव शानदार होगा। कूपर का पहला टेस्ट दौरा है। अगर मैं चयनकर्ता होता, तो शायद मैं भी यही फैसला लेता। मेलबर्न स्टार्स की ओर से बीबीएल में मेलबर्न रेनेगेड्स के खिलाफ 52 गेंदों पर 90 रन की धमाकेदार पारी खेलने के बाद मैक्सवेल ने कहा कि वह अपने टेस्ट करियर पर फिलहाल कोई फैसला नहीं ले रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं अभी भविष्य की कोई योजना नहीं बना रहा हूं। मैं फिलहाल अगले मैच की तैयारी पर ध्यान दे रहा हूं। अपनी शानदार पारी के बारे में मैक्सवेल ने कहा, हर चीज मेरे हिसाब से नहीं हो रही थी। शायद हर दूसरी या तीसरी गेंद सही तरीके से खेल पा रहा था। पिच के हालात को देखते हुए मेरा प्लान सिर्फ यह था कि गेंदबाजों पर इतना दबाव बनाऊं कि वह गलतियां करें, चाहे ओवरपिच गेंद डालें या थोड़ी वाइड फेंकें, जिससे मैं अपने शॉट खेल सकूं। उन्होंने यह भी कहा, मुझे लगा कि मैंने कई बार गेंद को सही से हिट नहीं किया और कई बार शॉट्स मिसटाइम हुए। लेकिन मेरा गेम प्लान बहुत सिंपल था - क्रीज पर टिके रहना और सही गेंद का इंतजार करना।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः

सिनर-स्वियातेक और गॉफ का जीत के साथ आगाज

अजारेंका-ओस्टापेंको और सितसिपास उलटफेर का शिकार

मेलबर्न, एजेंसी। विश्व रैंकिंग में 42वें स्थान पर काबिज मिचेलसेन पिछले साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन में डेब्यू करके तीसरे दौर तक पहुंचे लेकिन फ्रेंच ओपन और विम्बलडन में पहले दौर में हार गए और अमेरिकी ओपन में दूसरे दौर तक पहुंचे थे। अमेरिका की तीसरी वरीयता प्राप्त कोको गॉफ ने 2020 की चैम्पियन सोफिया केनिन को सीधे सेटों में 6 . 3, 6 . 3 से हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपने अभियान की शुरूआत की। गॉफ ने नवंबर में डब्ल्यूटीए फाइनल्स जीता था और पिछले सप्ताह युनाइटेड कप जीतकर अपनी तैयारियां पुख्ता की। गॉफ का सामना अब ब्रिटेन की जोडी बराज से होगा। अमेरिकी ओपन 2023 चैम्पियन

गॉफ मार्वल से प्रेरित बॉडीसूट और स्कर्ट पहनकर खेल रही हैं।

मिचेलसेन ने किया उलटफेर - वहीं, अमेरिका के ही 20 साल के एलेक्स मिचेलसेन ने 2023 ऑस्ट्रेलियाई ओपन उपविजेता 26 सल के स्टेफानोस सितसिपास को पहले ही दौर में 7-5, 6-3, 2-6, 6-4 से हराकर उलटफेर कर दिया। यह मिचेलसेन के करियर की सबसे बड़ी जीत है। उन्होंने जीत के बाद अपनी मां को शुक्रिया कहा। मिचेलसेन ने तीन वर्ष की उम्र से टेनिस खेलना शुरू किया था। उनकी मां सोंड्रा स्कूल टीचर है जो कॉलेज में टेनिस खेल चुकी थी। जीत के बाद उन्होंने कहा, मुझे यकीन है कि वह देख रहीं होंगी । हम रोज काफी अभ्यास करते थे। बेसलाइन से रोज करीब एक मिलियन बॉल हिट करते थे । वह नहीं होती तो मैं यहां तक कभी नहीं पहुंच पाता। शुक्रिया मां। विश्व रैंकिंग में 42वें स्थान पर काबिज मिचेलसेन पिछले साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन में डेब्यू करके तीसरे दौर तक पहुंचे लेकिन फ्रेंच ओपन और विम्बलडन में पहले दौर में हार गए और अमेरिकी ओपन में दूसरे दौर तक पहुंचे थे।

इंडिया ओपन बैडमिंटन

इंडिया ओपन में उतरेगा सबसे बड़ा भारतीय दल, सात्विक-चिराग पर रहेगी नजर

नईदिल्ली, एजेंसी। सिंधू अपने विवाह के कारण मलेशिया मास्टर्स से बाहर रहने के बाद वापसी कर रही हैं। हैदराबाद की 29 वर्ष की सिंधू ने सैयद मोदी इंटरनेशनल खिताब जीता था, लेकिन उसमे अधिकांश भारतीय खिलाड़ी ही खेले थे। भारत ने मंगलवार से यहां शुरू हो रहे इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में अपना सबसे बड़ा दल उतारा है और नजरें लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी पर लगी होंगी। दुनिया की पूर्व नंबर एक पुरूष युगल टीम ने 2022 इंडिया ओपन जीता था और 2025 सत्र में पिछले सप्ताह मलेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचकर अच्छी शुरूआत की।

सात्विक-चिराग पर रहेंगी नजरें - पेरिस ओलंपिक की निराशा के बावजूद दोनों पिछले दो साल में भारत के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ी रहे हैं । चाइना मास्टर्स 2024 सेमीफाइनल खेल चुके सात्विक और चिराग का सामना पहले दौर में मलेशिया के वेइ चोंग मैन और केइ वुन ती से होगा। उन्हें चीन के ओलंपिक रजत पदक विजेता लियांग वेइकेंग और वांग चांग, पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूइ यिक, डेनमार्क के किम एस्ट्रूप और एंडर्स रासमुसेन और इंडोनेशिया के फजर अल्फियान और मुहम्मद रियान अर्डियांटो से कड़ी चुनौती मिलेगी।

सिंधू कर रहीं वापसी - इस साल भारत से 21 प्रविष्टियां मिली हैं जिसमें दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू शामिल है। सिंधू अपने विवाह के कारण मलेशिया मास्टर्स से बाहर रहने के बाद वापसी कर रही

हैं। हैदराबाद की 29 वर्ष की सिंधू ने सैयद मोदी इंटरनेशनल खिताब जीता था, लेकिन उसमे अधिकांश भारतीय खिलाड़ी ही खेले थे।

सिंधू का पहला मैच अनुपमा से -सिंधू का सामना पहले दौर में अनुपमा उपाध्याय से होगा। वह आगे जापान की तोमोका मियाजाकी से खेल सकती है जिसने उन्हें पिछले साल स्विस ओपन में हराया था। सैयद मोदी खिताब जीतने वाले लक्ष्य सेन मलेशिया में शुरूआती दौर में ही बाहर हो गए थे। यहां तीन साल पहले खिताब जीत चुके लक्ष्य का सामना पहले दौर में चीन के होंग यांग वेंग से होगा।

प्रणय का पहला मैच लि यांग से - पेरिस ओलंपिक प्री क्वार्टर फाइनल से बाहर होने के बाद पांच महीने का ब्रेक लेने वाले एच एस प्रणय मलेशिया में दूसरे दौर में बाहर हो गए थे। यहां पहले दौर में उनका सामना चीनी ताइपै के लि यांग सू से होगा। इसमें जीतने पर उनकी टक्कर इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी से हो सकती है। इंदिरा गांधी स्टेडियम में केडी जाधव इंडोर हॉल में होने वाले टूर्नामेंट में ओलंपिक चैम्पियन विक्टर एक्सेलसेन, अन सी यंग और दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी शि युकी जैसे धुरंधर दौड़ में हैं।

इतने खिलाड़ी हिस्सा ले रहे - टूर्नामेंट में दुनिया के शीर्ष 20 पुरूष एकल खिलाड़ियों में से 18 और महिला एकल में 14 शीर्ष खिलाड़ी भाग ले रही हैं। भारतीयों में प्रियांशु राजावतको पहले दौर में छठी वरीयता प्राप्त जापान के कोडाइ नाराओका से जबकि मालविका बंसोड को तीसरी वरीयता प्राप्त चीन की युइ हान से खेलना है। आकर्षि कश्यप का सामना आठवीं वरीयता प्राप्त थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग से होगा। महिला युगल में भारत की त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की टक्कर जापान की अरिसा इगाराशी और अयाको साकुरामोतो से होगी। वहीं तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा का सामना ब्रिटेन की चोले कोने और एस्टेले वान लीयुवेन से होगा।

सेन्ट मेरीज स्कूल में लोहड़ी, मकर संक्रांति के बारे में बताती प्रधानाचार्या मनोरमा दास।

बच्चों ने उत्साह के साथ मनाई लोहड़ी, मकर संक्रांति

नगर के सेन्ट मेरीज स्कूल में मनाये गये पारंपरिक त्यौहार

मैनपुरी 13 जनवरी। नगर के आश्रम रोड स्थित सेन्ट मेरीज़ स्कूल में सोमवार को लोहड़ी और मकर संक्रांति का पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने उत्साह के साथ भाग लेकर अपनी संस्कृति, परंपरा को करीब से समझा। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक दीपक जी0 दास, प्रधानाचार्या मनोरमा दास और सहायक निदेशक कुशाग्र दास ने की। प्रबंधक ने लोहड़ी, मकर संक्रांति के महत्व से छात्र, छात्राओं को परिचित कराया। उन्होंने आस्था के महापर्व महाकुंभ के बारे में जानकारी दी। वरिष्ठ अध्यापिका भाग्यरानी ने बताया कि विविध धर्मावलंबियों का देश भारत अनेकता में एकता का द्योतक है तथा हम सभी मिल–जुल कर सभी पर्व मनाते है, प्रकृति के प्रति अपना आभार प्रकट करते है तथा संक्रान्ति पर दान–पुण्य की परंपरा है।

विद्यालय के रानी लक्ष्मीबाई सदन, महाराजा तेज सिंह सदन, स्वामी विवेकानंद सदन, डॉ0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन् सदन, मदर टेरेसा सदन के रवीन्द्रनाथ टैगोर सदन के सदस्य छात्र, छात्राओं ने लोहड़ी और मकर संक्रांति के धार्मिक महत्व के बारे में बताया।

एईसी फॉक्सिस के रितिक शर्मा को मैन ऑफ द मैच का पुरुस्कार प्रदान करते एमसीए अध्यक्ष महेश मिश्रा व टूर्नामेंट अध्यक्ष अमित दीक्षित।

श्रीजी क्लब हार के साथ बाहर, एईसी फॉक्सिस जीती

नगर के क्रिश्चियन मैदान पर चल रही सुपर प्रीमियर लीग

मैनपुरी। मैनपुरी क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में नगर के क्रिश्चियन मैदान पर चल रहे स्व0 सुरेशचन्द्र दीक्षित मैमोरियल सुपर प्रीमियर लीग में सोमवार को खेले गए पूल ए के दूसरे मैच में एईसी फॉक्सिस ने श्रीजी क्रिकेट क्लब को 7 विकेट से हराया।

श्रीजी क्रिकेट क्लब के कप्तान नीरज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। श्रीजी क्लब निर्धारित 20 ओवर के मैच में 16.2 ओवर में 119 रन पर सिमट गई। अंकित लंबा ने 25, आकाश ने 23 और रितिक श्रीवास्तव ने नाबाद 15 रन बनाए। एईसी फॉक्सिस के जयवीर चौधरी ने 4, रितिक शर्मा ने 3 और मानिक बैरी ने 2 विकेट झटके। जीत के लिए लक्ष्य का पीछा करने उतरी एईसी फॉक्सिस ने 13.4 ओवर में 3 विकेट खोकर 120 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। एईसी के कप्तान रितिक शर्मा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 67 रनों की पारी खेली। मनीष यादव ने नाबाद 21 और मानिक बैरी ने 12 रन बनाए। श्रीजी क्रिकेट क्लब के अभिराज सिंह चौहान ने 3 विकेट लिए।

इससे पहले मैच का शुभारंभ क्षेत्राधिकारी नगर संतोष कुमार सिंह ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करके किया। एईसी फॉक्सिस के रितिक शर्मा को मैन ऑफ द मैच का पुरुस्कार और 2100 रुपये की नगद धनराशि एमसीए अध्यक्ष महेश मिश्रा ने प्रदान की। मैच में अंपायरिंग नीरज चौधरी और रितेश शर्मा ने, स्कोरिंग मोहित प्रकाश सक्सेना ने तथा कमेंट्री नीरज यादव और चेतन चतुर्वेदी ने की। मैच के दौरान प्रतियोगिता आयोजन समिति के अध्यक्ष अमित दीक्षित, संयोजक विकास मिश्रा, उपाध्यक्ष आलोक दीक्षित, एमसीए सचिव बी0डी0 शुक्ला, सचिन चौहान बंटी आदि मौजूद रहे।

आज का मैच

स्व0 सुरेशचन्द्र दीक्षित मैमोरियल सुपर प्रीमियर लीग में आज मंगलवार को एईसी फॉक्सिस और दया मैवरिक के मध्य मैच सुबह 10 बजे से खेला जायेगा।

करहल के संत विवेकानंद स्कूल में कार्यक्रम का शुभारंभ करते अतिथि।

स्वामी विवेकानंद जी के बताये मार्ग पर चले युवा

करहल के संत विवेकानंद सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मनाई जयंती

मैनपुरी। करहल के संत विवेकानंद सीनियर सेकेंडरी स्कूल में युवाओं के प्रेरणाश्रोत, महान राष्ट्रभक्त स्वामी विवेकानंद जी की जयंती राष्ट्रीय युवा दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ एमएलसी मुकुल यादव ने फीता काटकर किया व स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण करके किया। एमएलसी ने कहाकि स्वामी विवेकानंद के विचार हमें निरंतर अपने लक्ष्य को ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित करते है। विद्यालय के निदेशक डॉ0 जे0पी0 यादव ने युवाओं से स्वामी विवेकानंद जी के बताये मार्ग पर चलने का आवाहन किया। उन्होंने अतिथियों को स्वागत किया। छात्राओं ने देशभक्ति एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर विद्यालय की प्रबंधक सरिता यादव, पूर्व प्रधानाचार्य मेजर एनसी भटेले, पूर्व विधायक अनिल यादव, चेयरमैन अब्दुल नईम, सुधीर यादव, सोहित यादव, आदित्य यादव आदि प्रमुख रुप से मौजूद रहे।

पोस्टर के माध्यम से सड़क सुरक्षा का संदेश देती छात्राऐं।

सड़क सुरक्षा का संदेश देने हेतु बनाये पोस्टर

कुं0 आरसी महाविद्यालय में सड़क सुरक्षा माह के तहत हुई प्रतियोगिता

मैनपुरी। नगर के कुं0 आरसी महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत सोमवार को सड़क सुरक्षा जागरुकता हेतु पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने पोस्टर के माध्यम से सड़क सुरक्षा नियमों के पालन कर संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो0 शेफाली यादव ने कहाकि सड़क पर लगाए गए साइन बोर्ड और यातायात संकेतों का पालन करना चाहिऐ। वाहन को मोड़ते या चलाते समय चालक को हमेशा सावधानी बरतनी चाहिए। कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी प्रतिभा जायसवाल के निर्देशन मे हुआ। उन्होंने छात्राओं को यातायात संबंधी नियमों से अवगत कराते हुये बताया कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए लोगों गति सीमा का पालन करना चाहिए।

छात्राओं ने अपनी कला और रंगों के माध्यम से सड़क सुरक्षा और यातायात संबंधित नियमों के प्रति अपने भावों को उकेरा। कार्यक्रम में महाविद्यालय की शिक्षिका अंकिता सिंह, प्रियंका सोनकर, अरुणा, डॉ0 स्नेहलता आदि मौजूद रही। प्रतियोगिता में संध्या, शिवानी, संजना, शिवानी श्रीवास्तव, निशा कुमारी, अनुष्का, कनिष्का, रूपम पाण्डे, प्रियांशी आदि स्वयंसेविकाओं ने भाग लिया।

संस्थापक स्व. मुकट बिहारी लाल नवरत्न एवं स्व.शान्ती देवी
श्री बालाजी प्रकाशन के लिये प्रकाशक, मुद्रक शालिनी गुप्ता ने न्यू टाइम्स प्रेस अशोक नगर कालोनी गूलर रोड अलीगढ़ से मुद्रित कराकर राजपथ कार्यालय 5/9, अशोक नगर कालौनी गूलर रोड, अलीगढ़ से प्रकाशित किया। ❒संपादक–शालिनी गुप्ता
मोबाइल नं. 9456465231, 9412274763/64
ईमेल drajpath@gmail.com
sanjay_rajpath@rediffmail.com

खैर समाचार

86 वकीलों ने सिविल बार से दिया सामूहिक इस्तीफा

खैर 13 जनवरी। सिविल बार एसोसिएशन के हाल ही हुए चुनाव के बाद महामंत्री पद पर हुए विवाद के मामले में एल्डर्स कमेटी के निर्णय के विरोध में सिविल बार एसोसिएशन के 86 अधिवक्ताध्सदस्यों ने बार की सदस्यता से सामूहिक इस्तीफा दिया है। जिससे तहसील में मामला गरमा गया है।

गौर हो कि बार के चुनाव में महामंत्री पद हेतु बराबर–बराबर मत आने पर अजय चौहान व संजय सारस्वत को मनोनीत किया गया था। बाद में संजय सारस्वत की शिकायत बार काउंसिल के चेयरमैन ने शपथग्रहण समारोह न कराए जाने तथा विवादित एक मत पर एक सप्ताह में निर्णय दिए जाने के निर्देश दिए थे। चुनाव अधिकारी ने एक मतपत्र पर लगी तीन मुहर को गलत मानते हुए संजय सारस्वत के पक्ष में 68 व अजय चौहान के पक्ष में 67 मत प्राप्त होने का निर्णय करते हुए संजय सारस्वत को एक मत से विजयी घोषित करते हुए महामंत्री निर्वाचित किया था। सोमवार को शपथग्रहण समारोह से पूर्व ही अजय चौहान के पक्ष में व एल्डर्स कमेटी के विरोध में सिविल बार के 86 अधिवक्ताओं ने हस्ताक्षर युक्त सामूहिक इस्तीफा दिया है। 86 अधिवक्ताओं के इस्तीफ से तहसील में चर्चाओं का बाजार गर्म है। पीडित अधिवक्ता जल्द ही नई रणनीति का खुलासा कर सकते है।

खैर के राजपुर गांव में किसानों ने पंचायत कर सोंपा ज्ञापन

खैर। खैर क्षेत्र में होकर एनएस 334 डी का एक मिनी बायपास जो की खैर जट्टारी होकर निकल रहा है। सोमवार को किसान मजदूर संगठन के बैनरतले खैर क्षेत्र के राजपुर गांव में सैकड़ो किसानों ने महापंचायत का आयोजन किया। जिसमे किसानों ने अपनी मांगों को लेकर महापंचायत की व मागो को लेकर उप जिला अधिकारी के नाम नायब तहसीलदार को ज्ञापन सोपा।

खैर के राजपुर गांव में महापंचायत के बाद नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते हुए किसान।

किसान मजदूर संगठन के बैनर तले खैर क्षेत्र में अभी तक कई बैठकें किसानों के साथ हो चुकी हैं। सोमवार को किसान मजदूर संगठन ने खैर क्षेत्र के राजपुर गांव में महापंचायत की अध्यक्षता छोटेलाल शर्मा ने की व संचालन श्रीपाल सिंह चौहान ने किया। महापंचायत का आयोजन करते हुए कहा कि किसानों की जमीन जो हाईवे में जा रही है। उन्हें 70 लाख रुपए प्रति बीघा का मुआवजा दिया जाए। हाईवे के दोनों साइड सर्विस रोड बनाए जाएं। जिस किसान की 70: जमीन हाईवे में जा रही है। उसके परिवार से एक व्यक्ति को नौकरी दी जाए। जिस किसान की जमीन हाईवे में जमीन दो भागों में बट रही हो उन्हे सिंचाई विभाग के माध्यम से पाइपलाइन के सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। वही जट्टारी पिसावा गौमत चाडौस सोफा पिसावा खैर सोमन रोड पर उतार चढाव के लिए कट बनाए जाएं तथा जिन किसानों की जमीन हाईवे में जा रही है। उनके वाहन टोल मुक्त किए जाएं आदि मांगों को लेकर उप जिला अधिकारी के नाम नायब तहसीलदार को ज्ञापन सोपा गया है। संगठन के लोगों ने कहा है कि जल्द ही जिला अधिकारी महोदय से वार्ता की जाएगी। मांगे नहीं माने जाने पर जल्द किसानों से वार्ता कर बड़ा आंदोलन होगा। इस मौके पर सुभाष चौहान, छोटेलाल, दीनदयाल शर्मा, रामवीर सिंह, अशोक चौहान, चंद्रपाल सिंह आदि क्षेत्रीय किसान उपस्थित रहे।

अलीगढ़ स्केटिंग क्लास के नेशनल खिलाड़ी 10 वीं इंडो नेपाल स्केटिंग चैंपियनशिप में प्रतिभाग करेंगे

अलीगढ़ 13 जनवरी। एसएमबी इंटर कॉलेज में 10 वीं इंडो नेपाल स्केटिंग चैंपियनशिप 2025 विराट नगर नेपाल में दिनांक 16 जनवरी 2025 से 20 जनवरी 2025 तक अलीगढ़ स्केटिंग क्लास के नेशनल खिलाड़ी कु कल्याणी, हिमांशु धनगर, कुनाल प्रतिभा करेंगे। अलीगढ़ स्केटिंग संघ के अध्यक्ष पूर्व विधायक विवेक बंसल और कीड़ा भारती के मंत्री डॉ शंभू दयाल रावत ने तीनों खिलाड़ियों को माला पहनकर सम्मानित किया। अध्यक्ष विवेक बंसल ने कहा मुझे पूर्ण विश्वास है तीनों खिलाड़ी नेपाल से मेडल जीतकर लाएगे और अलीगढ़ व भारत देश का नाम रोशन करेंगे। विवेक बंसल ने कहा खिलाड़ियों को हमेशा अपने लक्ष्य पर ध्यान रखना चाहिए और उसके लिए अपने खेल के प्रति हमेशा सजग रहना चाहिए। कड़ी मेहनत से सफलता अवश्य मिलती है। संघ के अध्यक्ष विवेक बंसल ने कहा तीनों खिलाड़ियों के साथ सचिव प्रदीप रावत भी नेपाल जाएंगे। सचिव प्रदीप रावत ने कहा सभी खिलाड़ी इंडो नेपाल स्केटिंग चैंपियनशिप में दो रेस में प्रतिभा करेंगे। बालिका वर्ग में अंडर 14 क्वार्ट्ज स्केट्स में कल्याणी, बालक वर्ग में अंडर 12 क्वार्ट्ज स्केट्स में कुनाल और बालक वर्ग में अंडर 14 इनलाइन स्केट्स में हिमांशु धनगर प्रतियोगिता में प्रतिभा करेंगे। तीनों ही खिलाड़ीयों ने शिमला में नेशनल चैंपियनशिप 2024 में गोल्ड मेडल जीतकर अलीगढ़ का नाम रोशन किया था।

अलीगढ़ के लिए बड़े ही गर्व की बात है की तीन खिलाड़ी इंडो नेपाल स्केटिंग चैंपियनशिप में प्रतिभा करेंगे। हार्दिक बधाई देने में अलीगढ़ ओलंपिक संघ के महासचिव मजहर उल कमर, स्केटिंग खो खो सचिव डॉ नीलम पाराशर, नेशनल अंपायर रिंकू दिक्षित, सिंगर सौरव सारस्वत, नेशनल अवॉर्ड विनर राहुल भाटी, स्केटिंग कोच वंशिका चौहान आदि उपस्थित रहे हैं।

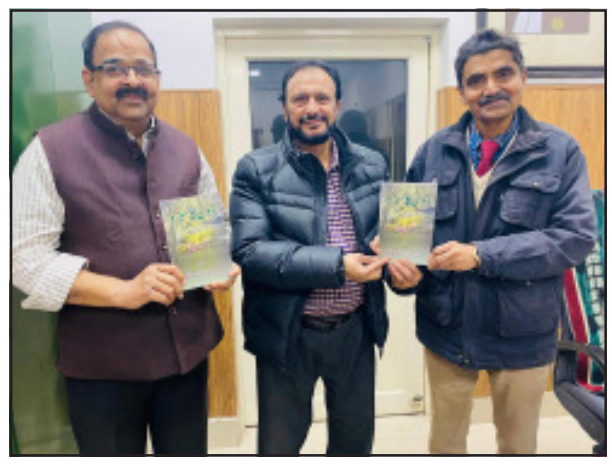

उर्दू में रस्किन बॉन्ड की कहानियों का विमोचन

अलीगढ़, 13 जनवरी। प्रसिद्ध लेखक रस्किन बॉन्ड की लघु कहानियों का प्रशंसित संग्रह, अवर ट्रीज स्टिल ग्रो इन देहरा, का उर्दू अनुवाद दून का सब्जा शीर्षक से किया गया है। यह अनुवाद अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग के प्रोफेसर जियाउर रहमान सिद्दीकी द्वारा किया गया है। उर्दू संस्करण का विमोचन आज अंग्रेजी विभाग वरिष्ठ शिक्षक एवं जनसंपर्क कार्यालय के मेम्बर इंचार्ज प्रोफेसर आसिम सिद्दीकी ने हिंदी विभाग, एएमयू के अजय बिसारिया के साथ जनसंपर्क कार्यालय में किया। विमोचन के दौरान, प्रोफेसर आसिम सिद्दीकी ने भाषाओं, संस्कृतियों और दर्शन के बीच एक पुल के रूप में अनुवाद के महत्व पर जोर दिया, और इसे 'पाठ्य रहस्योद्घाटन की रचनात्मक प्रक्रिया' के रूप में वर्णित किया। उन्होंने कहा कि अनुवाद नए विचार और दृष्टिकोण पेश करते हैं, पाठकों की समझ को समृद्ध करते हैं और गहरी समझ के द्वार खोलते हैं।

रस्किन बॉन्ड की साहित्यिक प्रतिभा पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि ये अर्ध–आत्मकथात्मक कहानियां छात्रों और शिक्षकों के लिए उर्दू अनुवाद का पता लगाने और उसकी सराहना करने के लिए एक मूल्यवान संसाधन हैं।

अजय बिसारिया ने रस्किन बॉन्ड की कहानियों अवर ट्रीज स्टिल ग्रो इन देहरा के लिए लेखक को साहित्य अकादमी पुरस्कार से मिली मान्यता का उल्लेख किया। उन्होंने बच्चों के साहित्य और कहानी कहने में बॉन्ड के महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की।

प्रोफेसर सिद्दीकी और बिसारिया दोनों ने प्रोफेसर जियाउर रहमान सिद्दीकी को इस महत्वपूर्ण योगदान के लिए बधाई दी, जो बॉन्ड के साहित्यिक कार्यों की सार्वभौमिक अपील को रेखांकित करता है और सांस्कृतिक और भाषाई आदान–प्रदान को बढ़ावा देता है।

तहसीलदार केजी मिश्रा से वार्ता करते भाकियू नेता सुंदर सिंह, विमल तौमर व अन्य।

भाकियू ने सरकार के नए किसान विरोधी कानून की जलाई प्रतियां, भारी मात्रा में तैनात रहा पुलिस फोर्स

खैर। किसानों की नाराजगी के चलते केन्द्र सरकार द्वारा पूर्व में वापस लिए गए कानून के स्थान पर कृषि विपणन एंव राष्ट्रीय नीति ढांचा कानून को चुपके से लागू किए जाने की सूचना पर भाकियू ने विरोध प्रदर्शन करते हुए सरकार द्वारा जारी नीति की प्रतियों को जलाकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की तथा तहसीलदार खैर से वार्ता कर किसानों की समस्याओं का समाधान कराए जाने को कहा। भाकियू जिलाध्यक्ष चौ0 सुंदर सिंह बालियान ने कहा कि सरकार द्वारा पूर्व में काले कानून को वापस लिए जाने के बाद फिर से किसानों पर नया कानून थोपने का प्रयास करते हुए कृषि विपणन एंव राष्ट्रीय नीति ढांचा कानून को पास कराए जाने हेतु राज्य सरकार के पास भेजा है। जानकारी होने पर किसान संगठनों के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर सोमवार को भाकियू ने तहसील परिसर में सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कानून के मसौदे की प्रतियों को जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। किसानों के विरोध प्रदर्शन की सूचना पर पुलिस प्रशासन चौंकन्ना था। भारी मात्रा में पुलिस फोर्स तैनात की गई थी। बाद में किसान नेताओं ने तहसीलदार कृष्ण गोपाल मिश्रा से वार्ता की तथा अन्नदाता किसानों की समस्या का तत्काल निदान कराए जाने को कहा। इस मौके पर विमल तौमर, सुंदर सिंह, बंटी शर्मा, विजय सिंह, भोला चौधरी, रौबिन सिंह, नीटू चौधरी, जितेन्द्र चौधरी, महीपाल सिंह, सुनील सिंह, नाहर सिंह, ओमप्रकाश आदि अनेकों किसान मौजूद रहे।

तहसील परिसर में काले कानून की प्रति जलाते भाकियू नेता

किसानों ने खेती पर जारी राष्ट्रीय नीति की प्रतियां जलाई

अलीगढ़, 13 जनवरी। संयुक्त किसान मोर्चा के राष्ट्रीय आह्वान पर राष्ट्रीय कृषि विपणन नीति की प्रतियां जलाकर किसान संगठनों ने विरोध जताया।

कोल तहसील मुख्यालय पर क्रांतिकारी किसान यूनियन के प्रदेश उपाध्यक्ष नगेन्द्र चौधरी, जिला उपाध्यक्ष सत्यवीर चौधरी, धर्मपाल चौधरी, पप्पू सिंह, किसान सभा के जिलाध्यक्ष सूरज पाल उपाध्याय, इदरीश मोहम्मद, भाकियू जिला उपाध्यक्ष लवलेश यादव एवं तहसील अध्यक्ष मंगल सिंह के संयुक्त नेतृत्व में किसानों ने इस नीति का विरोध किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय विपणन नीति ड्राफ्ट वापस लो, किसान नेता जगजीत सिंह से वार्ता करो, किसान मजदूर एकता जिंदाबाद के नारे लगाए गए। विरोध प्रकट करते हुए वक्ताओं ने कहा कि केन्द्र सरकार इस ड्राफ्ट के माध्यम से किसानों की जमीन कारपोरेट घरानों को सोंपने का षडयंत्र करने पर उतारू है। किसान नेता दल्लेवाल की जिंदगी बचाने के लिए किसानों की समस्याओं करने की बजाय हठधर्मिता पर उतारू हो रही है। केन्द्र सरकार की किसान मजदूर विरोधी नीतियों के विरोध में एकजुट होकर जन आंदोलन तेज करने का आह्वान किया गया।

गभाना तहसील मुख्यालय पर भी किसानों ने तीनों कृषि कानूनों से भी ज्यादा खतरनाक मानी जा रही इस नीति की प्रतियां जलाईं। गभाना में क्रांतिकारी किसान यूनियन की राज्य समिति सदस्य विनोद सिंह, जिला महामंत्री नरेंद्र पाल सिंह, जिला उपाध्यक्ष अशोक नगोला, भाकियू के वीरकरण फौजी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में किसानों ने नारेबाजी के साथ विरोध किया। लोधा क्षेत्र के अटलपुर में चल रहे धरने पर भी विजयपाल सिंह, प्रेमपाल सिंह समेत धरना दे रहे किसानों ने भी नीति की प्रतियां जलाईं।

छात्रों द्वारा बनाई पतंगों को देखते विद्यालय के चेयरमैन राजेश गोयल।

दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल में मनाया लोहड़ी और मकर संक्रांति का पर्व

खैर। गौमत स्थित दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल सोमवार को लोहड़ी और मकर संक्रांति का पर्व मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के चेयरमैन राजेश गोयल पतंग उडाकर किया।

कार्यक्रम के दौरान कक्षा 9 की छात्र–छात्राओं ने डांस प्रस्तुत किया तथा सुंदर पतंग बनाकर पतंग प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को पुरुस्कार प्रदान किए गए। विद्यालय के चेयरमैन राजेश गोयल ने कहा कि लोहड़ी भारत में सबसे ज्यादा मनाए जाने वाले त्योहारों में से एक है। खास तौर पर देश के उत्तरी भागों में। यह कठोर सर्दियों के अंत का प्रतीक है और आने वाले वसंत के लंबे, धूप वाले दिनों का स्वागत करता है। लोहड़ी फसल के मौसम की शुरुआत का प्रतीक है, जो समृद्धि, खुशी और जीवन के नवीनीकरण का प्रतीक है। प्रधानाचार्या लक्ष्मी शर्मा ने कहा कि लोहड़ी और मकर संक्रांति के पर्व के महत्व को विस्तार से समझाया। बाद में छात्र छात्राओं को मूंगफली और रेवड़ी वितरित की गई। इस मौके पर ट्रस्ट की सचिव अंजू गोयल, बिसन चन्द गोयल, मीरा गोयल, मोहित गोयल, प्रधानाचार्या लक्ष्मी शर्मा आदि मौजूद रहे।

उत्तरायण के पर्वों को कन्या बचाओ की अद्भुत मुहीम से जोड़ रहा है दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान का संतुलन प्रकल्प

अलीगढ़ 13 जनवरी। लोहड़ी, एक ऐसा त्योहार जो परंपरागत रूप से मात्र पुत्र के जन्म पर ही मनाया जाता था, आज कन्याओं को समर्पित किया जा रहा है। और समाज के इस परिवर्तन का श्रेय जाता है दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के लिंग समानता व नारी सशक्तिकरण प्रकल्प – संतुलन को। संतुलन द्वारा प्रत्येक वर्ष देश भर में उत्तरायण के अवसर पर कन्या बचाओ अभियान चलाया जाता है, जिसके माध्यम से न केवल लिंग रूढ़िवादिता का खंडन किया जाता, बल्कि कन्याओं के लिए सद्भाव और सम्मान को भी जागृत किया जाता है। यह अभियान लोहड़ी से प्रारम्भ होकर वसंत पंचमी पर विराम लेता है। गत वर्षों, इस क्रन्तिकारी अभियान ने देशभर में आयोजित असंख्य जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से लाखों लोगों को लाभान्वित किया है, और एक शानदार सफलता को प्राप्त किया है।

कन्या बचाओ नामक इस अभियान के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के शाखा अलीगढ़ में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें शिक्षिकाओं, प्रोफेसरों, डॉक्टरों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, राजनीतिक नेताओं, अभियंताओं और अन्य विभिन्न क्षेत्रों की महिलाओं की उपस्थित रही।

इस कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण कुछ इस प्रकार रहे–कन्याओं की प्रतिभाओं को उजागर करता टैलेंट शो,लिंग आधारित भेदभाव को खत्म करने हेतु प्रेरणादायी प्रश्नोत्तरी सत्र, ज्ञानवर्धक नाट्य मंचन, मेरी बेटी, मेरा स्वाभिमान नामक हृदयस्पर्शी गतिविधि, बेटियों के सपनों को उड़ान देने वाला विशेष पतंगोत्सव, इत्यादि।

लोहड़ी पर्व की बॉनफायर प्रथा को कार्यक्रम के अंत में आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने अखबारों पर महिलाओं के खिलाफ अपराधों को कलमबद्ध करते हुए पावन अग्नि में जलाया और उन सभी बुराइयों को समाज से खत्म करने का संकल्प लिया।

आशुतोष महाराज जी की शिष्या साध्वी वेदवाणी भारती जी ने बताया कि कन्या बचाओ अभियान के माध्यम से संतुलन प्रकल्प, पारंपरिक त्योहारों से जुड़े मिथकों को दूर कर रहा है और उत्सवों के पीछे छिपे वास्तविक अर्थ को उजागर कर रहा है। साध्वी जी ने सबका इस महान अभियान का हिस्सा बनने और एक सशक्त समाज की रचना में योगदान देने हेतु आह्वान भी किया। निसंदेह कन्या बचाओ केवल एक अभियान नहीं, बल्कि बालिकाओं को समर्पित एक राष्ट्रव्यापी उत्सव है।

कार्यक्रम को सराहते हुए विशिष्ट अतिथियों ने बताया कि समाज में लिंग समानता स्थापित करने के लिए संतुलन सफलतापूर्वक कई अभियान चला रहा है, और बेटियों के जीवन को बेहतर और सशक्त बना रहा है। हमारे देश की उन्नति में इस प्रकार के कार्यक्रम उत्प्रेरक की भूमिका निभाते हैं।

भारत के सर्वश्रेष्ठ नारी सशक्तिकरण प्रकल्प – संतुलन से जुड़ने हेतु, इंस्टाग्राम, फेसबुक और ट्विटर पर अभी फॉलो करें @DJJSSantulan

श्री आशुतोष महाराज जी द्वारा संस्थापित और संचालित – दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान, विश्व में शांति एवं बंधुत्व की स्थापना हेतु कार्यरत एक सामाजिक व आध्यात्मिक संस्थान है। यह संस्थान अपने नौ मुख्य प्रकल्पों द्वारा समाज में व्यापक परिवर्तन ला रहा है। ये नौ प्रकल्प हैं महिला सशक्तिकरण कार्यक्रमय साक्षरता अभियानय सम्पूर्ण स्वास्थ्य कार्यक्रमय नशा उन्मूलन कार्यक्रमय पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रमय भारतीय देसी गौ संवर्धन एवं नस्ल सुधार कार्यक्रमय आपदा प्रबंधन कार्यक्रमय बंदी सुधार कार्यक्रम और नेत्रहीन एवं दिव्यांगों का सशक्तिकरण कार्यक्रम।

खिचड़ी भोज से सामाजिक समरसता का दिया संदेश

अलीगढ़ 13 जनवरी (राजपथ)। सामाजिक एकता, समरसता ओजस्विता एवं प्रगति के पर्व मकर संक्रांति पर विद्या भारती से सम्बद्ध सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेन्डरी स्कूल, खैर मार्ग, गोंडा मोड में 'खिचड़ी सहभोज' का आयोजन किया गया। इसी के साथ अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के प्रथम वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में विद्यालय को राममय कर श्रीराम मन्दिर एवं अयोध्या के संघर्ष गाथा की प्रदर्शनी विद्यालय परिसर में लगाई गई। प्रदर्शनी में विद्यालय में हुई विभिन्न सामाजिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक, खेलकूद, कला गतिविधियों की प्रदर्शनी भी लगाई गई।

कार्यक्रम का शुभारम्भ राम की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्चन से हुआ। विद्यालय में राम मंदिर प्रदर्शनी में भगवान राम के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर श्री राम की आरती की गई। सभी संत, महंत और अतिथियों ने सामूहिक रूप से श्रीराम स्तुति कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया परम्परा के अनुरूप खिचड़ी भोज से पूर्व भोजन मंत्र का पाठ किया गया। तत्पश्चात् खिचड़ी भोज सामूहिक रूप से किया गया।

अध्यक्षा उमेश कुमारी ने कहा कि खिचड़ी सहभोज समरसता का पर्व है। ऐसे कार्यक्रमों से सभी आपसी द्वेष भुलाकर प्रेम भाव से एक स्थान पर भोजन ग्रहण करते हैं। इससे आत्मीयता बढ़ती है। विद्यालय के प्रबंधक डॉ. राजीव अग्रवाल ने कहा कि खिचड़ी सहभोज के कार्यक्रम से सामाजिक एकता बलवती होती है। भारतीय संस्कृति में सहभोज कार्यक्रम आदि काल से चला आ रहा है जो हमारी समृद्ध परंपरा का द्योतक है। साथ ही विद्यालय में लगी राम मंदिर प्रदर्शनी हमारी धरोहर के लिए किए गए प्रयास को प्रदर्शित कर रही है। ये सुखद अवसर है कि आज राम मंदिर को एक वर्ष पूर्ण हो गया है। विद्यालय के प्रधानाचार्य यशवीर सिंह ने इस अवसर पर विद्यालय की प्रबन्ध समिति के पदाधिकारियों एवं पूर्व छात्र भैयाओं का आभार व्यक्त किया।

आयोजन में विभाग संघचालक राजकुमार जी, सह विभाग संघचालक ललित जी, विभाग कार्यवाह योगेश जी,विभाग प्रचारक गोविन्द जी, महानगर संघचालक अजय जी, सह महानगर संघचालक देवेन्द्र जी, महानगर कार्यवाह रतन जी, सह महानगर कार्यवाह पंकज जी, शहर विधायक मुक्ता राजा, छर्रा विधायक रवेन्द्र पाल सिंह,खैर विधायक सुरेन्द्र सिंह दिलेर, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रामसखी कठेरिया, इंजीनियर राजीव शर्मा, अखिलेश जी, राजाबाबू जी, जेल अधीक्षक बिजेंद्र सिंह यादव, अपर जिलाधिकारी न्यायिक अखिलेश यादव, थाना अध्यक्ष रोरावर सुशील कुमार योगी, चौकी इंचार्ज शाहमाल अरुण कुमार दुबे, जलालपुर चौकी इंचार्ज बटेश्वर सिंह, पूर्व छात्र परिषद् के अंकुर वार्ष्णेय 'साईं', सुमित गुप्ता, प्रणव शर्मा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भारत विकास परिषद् के महानुभाव उपस्थित रहें।

भाग्यश्री पर भी छाया गीतकार डॉ.अवनीश राही के गीतों का जादू

साहित्य शिरोमणि शब्द सम्मान–इस बार होगा डा. राही के नाम

अलीगढ़ 13 जनवरी! फिल्म 'मैंने प्यार किया' की सिने अभिनेत्री भाग्यश्री पर इस कदर छाया गीतकार डॉ.अवनीश राही के गीतों का जादू कि वह इस बार का राष्ट्रीय पुरस्कार साहित्य शिरोमणी शब्द सम्मान –2025 स्वयं अपने हाथों से अलीगढ के वरिष्ठ साहित्यकार भारत विभूषण डॉ.अवनीश राही को प्रदान करेंगी। इसी सप्ताह दिल्ली से राष्ट्रीय पुरस्कार गीत गंधर्व साहित्य सम्मान–2025 लेकर लौटे गीतकार डॉ.अवनीश राही ने बताया कि फेव फेयर्स इन्टरनेशनल ऑर्गनाइजेशन एण्ड थ्री फिंगर्स एंटरटेनमेंट लिमिटेड मुंबई के संयुक्त तत्वावधान में विश्व हिन्दी दिवस के साहित्यिक पखवाड़े में 18 जनवरी को नई दिल्ली स्थित ईरॉस पांच सितारा होटल में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें देश–विदेश की विविध प्रतिभा सम्पन्न शख्सियतें शिरकत करेंगी।

वृहद रोजगार मेला टाटा स्ट्राईव स्किल डवलपमेंट सेंटर में 17 जनवरी को

अलीगढ़ 13 जनवरी। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, मॉडल कैरियर सेन्टर एवं टाटा स्ट्राईव स्किल डवलपमेंट सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में 17 जनवरी को प्रातः 10 बजे से वृहद रोजगार मेला का आयोजन जीटी रोड स्थित टाटा स्ट्राईव स्किल डवलपमेंट सेंटर भांकरी में आयोजित किया जा रहा है। मेले में 08 कम्पनियों द्वारा प्रतिभाग कर लगभग 600 रिक्त पदों पर चयन किया जायेगा। क्षेत्रीय सेवायोजन अधिकरी डा0 पी0पी0सी0 शर्मा ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि रोजगार मेले में फायर सेफ्टी अकेडमी अलीगढ़, ईएफएसएम प्रा0लि0 सुड़ियाल, जीलौग लौजिस्टिक सौल्यूंसस प्रा0 लि0 नोयडा, विजन इण्डिया सर्विस नोयडा, टाटा स्ट्राईव स्किल डवलपमेंट सेंटर अलीगढ़ एवं अन्य के द्वारा मार्केटिग, अकाउण्टेन्ट, प्रोडक्शन एसोसिएट, कम्प्यूटर आपरेटर, सेल्स, वेलनेस एडवाईजर, सुपरवाईजर, स्टोर इंचार्ज, पैकिंग इंचार्ज, टेलीकालर के पदों पर हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट, स्नातक, परास्नातक, आईटीआई, डिप्लोमा, बीटैक, बीबीए, बीसीए, एमबीए उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का चयन किया जायेगा। उन्होंने बताया कि इच्छुक पंजीकृत अभ्यर्थी रोजगार संगम पोर्टल rojgaarsangam.up. gov.in एवं www.ncs. gov.in पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि उक्त पोर्टल पर रजिस्टर्ड अभ्यर्थी ही प्रतिभाग कर पायेंगे। रोजगार मेले में सभी आवेदित अभ्यर्थी अपने साथ पंजीयन कार्ड (एक्स–10), समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्रों की फोटो एवं मूल प्रति, फोटो आई0डी0, 02 फोटो एवं रिज्यूमे लेकर अवश्य आयें। रिक्तियों का विस्तृत विवरण सेवायोजन पोर्टल पर देखें किसी भी असुविधा के लिये सेवायोजन कार्यालय से एवं दूरभाष नंबर 0571–2403304 एवं 9639188583 पर सम्पर्क करें।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन 15 जन.को क्वार्सी फार्म में

अलीगढ़ 13 जनवरी। जिलाधिकारी विशाख जी0 की अध्यक्षता में क्वार्सी फार्म स्थित बहुउद्देशीय किसान कल्याण केंद्र में 15 जनवरी को अपरान्ह 12:30 बजे किसान दिवस का आयोजन किया जाएगा। उप कृषि निदेशक यशराज सिंह ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि किसान दिवस में तकनीकी सत्र के साथ–साथ कृषि एवं कृषकों से संबंधित प्राप्त शिकायतों का निस्तारण किया जाएगा।

जिलाधिकारी 16 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा करेंगे निर्धारित

अलीगढ़ 13 जनवरी। जिलाधिकारी विशाख जी0 की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में 16 जनवरी को सांय 04:30 बजे गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा निर्धारित करने के लिए बैठक आहुत की जाएगी। अपर जिलाधिकारी नगर अमित कुमार भट्ट ने उक्त जानकारी देते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अद्यतन सूचनाओं सहित बैठक में स्वयं प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

डीडीओ 15 जनवरी को महाकुंभ–2025 के प्रचार–प्रसार के लिए साईकिल रैली को हरी झण्डी दिखाकर करेंगे रवाना

अलीगढ़ 13 जनवरी। जिला विकास अधिकारी आलोक आर्या द्वारा महाकुंभ–2025 के प्रचार–प्रसार के लिए युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग एवं खेल विभाग के तत्वाधान में 15 जनवरी को आयोजित साईकिल रैली को प्रातः 07 बजे महारानी अहिल्याबाई होल्कर स्पोर्ट्स स्टेडियम से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया जाएगा। जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी एम0पी0 कुशवाहा ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि युवक मंगल दलों, खिलाड़ियों एवं पीआरडी जवानों द्वारा महारानी अहिल्याबाई होल्कर स्पोर्ट्स स्टेडियम से अचलताल स्थित मेयर आवास तक साईकिल रैली का आयोजन किया जाएगा।

कमिश्नर की अध्यक्षता में विकास कार्यों एवं राजस्व संग्रह की मण्डलीय बैठक 28 जनवरी को

अलीगढ़ 13 जनवरी। मण्डलायुक्त चैत्रा वी. की अध्यक्षता में कमिश्नरी सभागार में 28 जनवरी को पूर्वान्ह 11 बजे से विकास कार्यों, कर–करेत्तर एवं राजस्व संग्रह मण्डलीय बैठक आहुत की जाएगी।

अपर आयुक्त ने उक्त जानकारी देते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वह गत बैठक की अनुपालन आख्या एवं अद्यतन प्रगति रिपोर्ट सहित बैठक में स्वयं प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

रोटरी क्लब अलीगढ़ सिटी ने सियाराम वृद्धाआश्रम में कंबल व अन्य सामग्री वितरित की

अलीगढ़ 13 जनवरी। रोटरी क्लब अलीगढ सिटी जनसेवा के क्षेत्र में एक अग्रणी संस्था है। जनमानस के कल्याण हेतु हमारा क्लब सदैव सक्रिय रहता है। चाहे शिक्षा, स्वास्थ्य, चिकित्सा या पर्यावरण का सरक्षण हो हर क्षेत्र में हमारा क्लब पूरी निष्ठा के साथ काम करता है। इसी श्रंखला में क्लब ने नए साल का प्रारम्भ असहाय बुजुर्गो की सेवा कर के शुरू किया। आज दिनांक 13.01.2025 को रोटरी क्लब अलीगढ सिटी द्वारा श्री सीयाराम बृद्धाश्रम में बुजुर्ग सम्मानजनों को कम्बल, ऊनी कपड़े, गजक, मिष्ठान, अनाज, चीनी, तौलिया एवं दैनिक प्रयोग को वस्तुए जैसे तेल, साबुन आदि का वितरण किया गया। क्लब अध्यक्ष संजय कुमार गर्ग ने कहा कि मानवता की सेवा जीवन का सर्वोत्तम कार्य है। सचिव घनश्याम दास माहेश्वरी ने बताया कि क्लब द्वारा निरंतर समाज सेवा के कार्यक्रम किये जायेंगे। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष प्रमोद चौधरी, सोनी अग्रवाल, जगजीवन गुप्ता,अंकुश अग्रवाल,देवेश चन्द्रा, अनिल गुप्ता,अनूप गुप्ता, उपेंद्र वार्ष्णेय उपस्थित थे।